श्रावण शुक्ल - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 7 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 29-07-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का कार्यक्रम है 'मेरी माटी-मेरा देश': योगी आदित्यनाथ

6 पुरुष समाज की ज्यादतियां सिर्फ स्त्रियों पर ही क्यों?

7 गोपनीय दस्तावेजों के मामले में ट्रंप पर अतिरिक्त आरोप लगाए गए

फर्स्ट टेक

अभी तक पांच करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल

नई दिल्ली/भाषा। देश में 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2022-23 में अर्जित आय के लिए पांच करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं। आयकर विभाग ने ट्वीटर पर लिखा है, 27 जुलाई 2023 तक 5.03 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए। इसमें से करीब 4.46 करोड़ यानी 88 प्रतिशत से अधिक को ऑनलाइन सत्यापित किया जा चुका है। ऑनलाइन सत्यापित किए गए आईटीआर में से 2.69 करोड़ से अधिक रिटर्न प्रसंस्कृत किए जा चुके हैं। विभाग के अनुसार, आईटीआर दाखिल करने में मदद के लिए उनकी हेल्पडेसक चौबिसों घंटे सेवाएं उपलब्ध करा रही है। विभाग ने कहा, हम 31 जुलाई 2023 तक सेवाएं देना जारी रखेंगे। शनिवार और रविवार को भी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आईटीआर जमा करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है।

भारत, ब्रिटेन एफटीए पर वार्ता पूरी करने के बेहद करीब : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत की प्रक्रिया पूरी करने के बेहद करीब हैं और दोनों देश कुछ मुद्दों पर अपने मतभेदों को दूर करने में लगे हुए हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि भारत और ब्रिटेन निवेश संधि, बौद्धिक संपदा अधिकारों और उत्पादों के उद्गम स्थान से संबंधित मतभेदों को दूर करने के लिए लगातार कोशिश में लगे हुए हैं। वहीं वाहन एवं शराब के व्यापार से संबंधित मुद्दों पर काफी हद तक सहमति बन चुकी है। अधिकारी ने भरोसा जताया कि व्यापार समझौते पर वार्ता इस साल पूरी हो जाएगी।

मॉस्को के बाहर यूक्रेन के एक ड्रोन को मार गिराया गया : रूस

मॉस्को/एपी। मॉस्को के बाहर शुक्रवार सुबह एक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह इस महीने में राजधानी क्षेत्र पर तीसरा ड्रोन हमला या हमले का प्रयास था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तड़के घटी इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। उसने यह विस्तृत जानकारी नहीं दी कि ड्रोन को कहां मार गिराया गया, लेकिन बताया कि घटना मॉस्को ओबलास्ट इलाके की है। रूस के यूक्रेन पर हमलों की शुरुआत को 18 महीने होने वाले हैं और इस हमले से मॉस्को की चिंता बढ़ेगी। सोमवार को दो ड्रोन से रूसी राजधानी पर हमला किया गया था।

29-07-2023 सूर्यास्त 6:47 बजे	30-07-2023 सूर्योदय 6:04 बजे

BSE	NSE
66,160.20 (-106.62)	19,646.05 (-13.85)

सोना	चांदी
6,195 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	77,080 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

जी-20 पर्यावरण एवं जलवायु स्थिरता पर आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

जैव विविधता संरक्षण, सुरक्षा पर कार्रवाई करने में आगे है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जैव विविधता के संरक्षण, सुरक्षा, बहाली एवं उनके संवर्धन पर कार्रवाई करने में भारत लगातार आगे रहा है और अपने अद्यतन लक्ष्यों के माध्यम से देश ने और भी ऊंचे मानक तय किए हैं। जी-20 पर्यावरण एवं जलवायु स्थिरता पर यहां आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें यह कहते हुए गर्व होता है कि भारत ने अपने महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित 'योगदान' के माध्यम से इस दिशा में नेतृत्व किया है।

उन्होंने कहा, भारत ने 2030 के लक्ष्य से नौ साल पहले ही गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी स्थापित विद्युत क्षमता हासिल कर ली है। हमने अपने अद्यतन लक्ष्यों के माध्यम से और भी ऊंचे मानक तय किए हैं। आज स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष पांच देशों में से एक है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमने 2070 तक शून्य 'उत्सर्जन'' का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। हमने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, सीडीआरआई (केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान) और उद्योग परिवर्तन के लिए 'नेतृत्व समूह' सहित अन्य गठबंधनों के माध्यम से अपने भागीदारों के साथ सहयोग करना जारी रखा है। उन्होंने कहा, भारत विशाल-विविधता से भरा देश है और देश जैव विविधता के संरक्षण, सुरक्षा, बहाली एवं उनके संवर्धन पर कार्रवाई करने में लगातार आगे रहा है। गांधीनगर कार्यान्वयन खाका एवं 'मंच' के माध्यम से आप जंगल की आग और खनन से प्रभावित प्राथमिकता वाले स्थानों पर इस संबंध में की गई प्रगति को देख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने बाघों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट टाइगर' से मिली सीख के आधार पर हाल में धरती पर बाघों की सात प्रजातियों के संरक्षण के लिए देश ने 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस'' नामक पहल शुरू की है। 'प्रोजेक्ट टाइगर' के नतीजतन आज दुनिया में बाघों की कुल आबादी में से 70 प्रतिशत बाघ भारत में हैं।

उन्होंने कहा कि भारत 'प्रोजेक्ट लॉयन' और 'प्रोजेक्ट डॉल्फिन' पर भी काम कर रहा है। उन्होंने 'मिशन अमृत सरोवर'' की ओर इशारा करते हुए कहा कि भारत की पहल लोगों की भागीदारी से संचालित होती है। 'मिशन अमृत सरोवर' एक अनूठी जल संरक्षण पहल है। इस मिशन के तहत लगभग एक वर्ष में 63,000 से अधिक जलाशयों का विकास किया गया है। यह मिशन पूरी तरह से सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से और प्रौद्योगिकी की सहायता से कार्यान्वित किया गया है।

देश में खेलो इंडिया के हजार केंद्र खोले जायेंगे : ठाकुर

हमारी बेटियों ने टोकियो और रियो ओलंपिक में देश को पदक दिलाकर गौरवांवित किया है। खेलो इंडिया व सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे आयोजनों से खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन किया जा रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/वार्ता। केन्द्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश में अगले तीन महीने के भीतर खेलो इंडिया के एक हजार केंद्र खोले जाएंगे और इन केंद्रों पर राष्ट्रीय एथलीट खिलाड़ियों को नौकरी दी जाएगी। ठाकुर ने यहां केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2013 में खेलों का बजट जो कि सिर्फ 864 करोड़ रुपए था उसे तीन गुना बढ़ाकर 2400 करोड़ कर दिया है। खेलो इंडिया, यूथ गेम्स, यूनिवर्सिटी गेम्स और विंटर गेम्स प्रधानमंत्री की सोच है। खेलो इंडिया के बजट में 400 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं की खेलों में प्रतिभागिता बढ़ी है। मीराबाई चानू और पीवी सिंधु ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश की लड़कियों और महिलाओं को खेल के क्षेत्र में और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों ने टोकियो और रियो ओलंपिक में देश को पदक दिलाकर गौरवांवित किया है। खेलो इंडिया व सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे आयोजनों से खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन किया जा रहा है। उन्होने कहा कि खेलो इंडिया के माध्यम से देश की खेल प्रतिभाओं को निखारने का काम किया जा रहा है। यही कारण है कि अब हमारे देश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगा फहरा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में खेलों के विकास को लेकर जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किया वह पहले कभी नहीं हुआ। पिछले बार के यूथ गेम्स जो हरियाणा में हुए थे, उसमें 12 रिकॉर्ड टूटे थे। इस बार 12 खिलाड़ियों ने 25 नेशनल रिकॉर्ड तोड़े,जिसमें से अधिकतर रिकॉर्ड महिला खिलाडियों ने तोड़े है।

प्रौद्योगिकी के उपयोग से स्वास्थ्य सुविधा को सुलभ और सस्ता बनाये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है, ऐसे में स्वास्थ्य सुविधा को सुलभ और सस्ता बनाने में तकनीक का अधिकतम उपयोग हो।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने संसद भवन परिसर में 'विश्व हेपेटाइटिस दिवस' के अवसर पर संसदीय शोध और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) तथा यकृत व पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) के सहयोग से आयोजित जागरुकता सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ मनसुख मांडविया तथा राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, बिरला ने कहा कि देश में जागरुकता और जांच के अभाव में हेपेटाइटिस से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो जाती है लेकिन सही समय पर जांच और उपचार से इस संक्रमण का सम्पूर्ण रूप से उन्मूलन संभव है।

वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम और उन्मूलन की दिशा में भारत सरकार के कदमों का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम से हेपेटाइटिस के नियंत्रण और प्रबंधन के लिए केंद्रित दृष्टिकोण से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य को लेकर एक समन्वित दृष्टिकोण अपनाया गया है और एक दीर्घकालिक सोच के साथ काम किया जा रहा है, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम मिल रहे हैं।

बिरला ने कहा कि वहनीय उपचार और जन केन्द्रित नीतियों से सभी देशवासियों को लाभ मिल रहा है।

नाइजर में तख्तापलट के दो दिन बाद सैन्य गटो में सत्ता की लड़ाई : सूत्र

नियामी (नाइजर)/एपी। नाइजर में सेना के विभिन्न गुट शुक्रवार को सत्ता के लिए संघर्षरत दिखे। एक विश्लेषक और एक पश्चिमी सैन्य अधिकारी ने राष्ट्रपति गार्ड की ओर से तख्तापलट किए जाने के दो दिन बाद यह जानकारी दी। इस तख्तापलट के कारण देश में राजनीतिक अराजकता फैल गई है जिससे जिहादियों के खिलाफ देश की लड़ाई में बाधा आ सकती है और पश्चिम अफ्रीका में रूस का प्रभाव बढ़ सकता है। यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि कौन प्रभारी नेता है और मध्यस्थता के लिए प्रयास शुरू किया गया है या नहीं। पड़ोसी देश नाइजीरिया का एक प्रतिनिधिमंडल आने के तुरंत बाद ही लौट गया और एक क्षेत्रीय निकाय की ओर से मध्यस्थ नामित किए गए बेनिन के राष्ट्रपति नहीं पहुंचे। एक वार्ता के दौरान प्रतिभागियों से बातचीत में एक विश्लेषक ने कहा कि तख्तापलट करने वाले राष्ट्रपति गार्ड के सदस्य सेना के साथ इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं कि किसे प्रभारी नेता होना चाहिए। विश्लेषक ने हालात की संवेदनशीलता के मद्देनजर अपना नाम नहीं उजागर करने के लिए कहा।

लोकसभा में भारी हंगामे के बीच तीन विधेयक ध्वनिमत से पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों के भारी हंगामे के बीच खान एवं खनिज (संशोधन एवं विनियमन) विधेयक 2023, नेशनल नर्सिंग एवं मिडवाइफ कमीशन विधेयक 2023 और नेशनल डेन्टल कमीशन विधेयक 2023 ध्वनिमत से पारित कर दिये।

पीठासीन अधिकारी राजेन्द्र अग्रवाल ने जरूरी कामकाज निपटाने के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की तो सदस्यों का हंगामा बढ़ गया लेकिन उन्होंने हंगामे के बीच ये तीनों विधेयक पारित करवा दिये।

कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने खान एवं खनिज (संशोधन एवं विनियमन) विधेयक 2023 को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह विधेयक 'गेम चेन्जर' हो सकता है। उनका कहना था कि खनन क्षेत्र के नियमों में सुधार करने वाला यह विधेयक इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लायेगा। उन्होंने कहा कि पहले देश कोयले के आयात पर काफी हद तक निर्भर था लेकिन अब कोयला उत्पादन में वृद्धि के साथ स्थिति धीरे-धीरे बदल गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में कोयला क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है और खनिज राजस्व में भारी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जो सुधार कोयला क्षेत्र में किए हैं, उनके कारण जिस तरह की स्थिति बन रही है, उसे देखते हुए उन्हें भरोसा है कि 2025-26 तक देश में कोयले के आयात की आवश्यकता लगभग समाप्त हो सकती है।

'आप' की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता ने आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता के खिलाफ थाना सेक्टर 20 में मुकदमा दर्ज करवाया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बृहस्पतिवार रात थाने में आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के खिलाफ शिकायत दी।

शुक्ल ने बताया कि शिकायत में पूनावाला ने कहा कि 25 जुलाई को सेक्टर 16 ए स्थित एक टीवी चैनल में 'डिबेट' के दौरान कक्कड़ ने उनके धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए उन्हें एक आतंकवादी संगठन से जुड़ा बताया।

विरोध प्रदर्शन

अखिल भारतीय जनवादी महिला संगठन के सदस्यों और प्रगतिशील कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को धर्मस्थल के पास सौजन्या बलात्कार और हत्या मामले में न्याय की मांग को लेकर बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

रोहिंग्या घुसपैठिये दिल्ली, कश्मीर तक जाने के लिए गलियारे के रूप में कर रहे असम का इस्तेमाल : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अधिकारियों को सक्रिय रहना चाहिए और हमें केवल घुसपैठियों को ही निर्वासित नहीं करना चाहिए, बल्कि दलालों को गिरफ्तार करना चाहिए और इस गिरोह की रीढ़ तोड़नी चाहिए।

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश के रोहिंग्या घुसपैठियों द्वारा दिल्ली या कश्मीर जाने के लिए राज्य का इस्तेमाल गलियारे के रूप में किया जा रहा है।

शर्मा ने बोंगाईगांव में पुलिस अधीक्षकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों के दौरान बांग्लादेश से असम में घुसपैठ लगभग न के बराबर थी, लेकिन करीमगंज जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाल में कुछ गतिविधियां देखी गई हैं। उन्होंने कहा, अब रोहिंग्याओं द्वारा दिल्ली या कश्मीर जाने के लिए असम को गलियारे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारी जांच से पता चला है कि त्रिपुरा के कुछ दलाल इस घुसपैठ को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक ने इसे रोकने के लिए पहले ही कुछ कदम उठाए हैं, जबकि करीमगंज के पुलिस अधीक्षक को घुसपैठ रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। शर्मा ने कहा, बराक घाटी के तीन जिलों के अधिकारियों को सक्रिय रहना चाहिए और हमें केवल घुसपैठियों को ही निर्वासित नहीं करना चाहिए, बल्कि त्रिपुरा जाना चाहिए, दलालों को गिरफ्तार करना चाहिए और इस गिरोह की रीढ़ तोड़नी चाहिए।

बराक घाटी क्षेत्र के तीन जिले कछार, करीमगज और हैलाकांडी हैं। उन्होंने कहा कि असम के बाहर रोहिंग्या घुसपैठियों, तस्करों और विद्रोहियों को दूसरे राज्यों में जाने के लिए राज्य को गलियारे के रूप में इस्तेमाल करने से रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, बराक घाटी से लेकर असम की पश्चिमी सीमा तक सभी रेलवे स्टेशनों पर सतर्कता बढ़ाई जानी चाहिए ताकि रोहिंग्याओं को रोका जा सके और उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जा सके।

सम्यक सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सम्यक ग्रुप के सदस्यों ने पूरे वर्ष भर में धार्मिक ज्ञानार्जन के क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने वाले जिन कुशलसूरी जैन धार्मिक पाठशाला के बच्चों को पुरस्कृत किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि पचास से अधिक अभ्यासकों, पांच से अधिक गुरुजी और शिक्षिकाओं को पुरस्कृत किया गया। ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर सम्यक ग्रुप व दादावाड़ी ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ पाठशाला के रोहित गुरुजी, मनीषा पनानी, पवनी बाफना, उर्मिला कोठारी के साथ पाठशाला के बच्चे उपस्थित थे।

कारगिल विजयोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित श्री शांतिनाथ हिन्दी हाईस्कूल में कारगिल विजयोत्सव के मौके पर विद्यार्थियों ने शहीद सैनिकों के सम्मान व उनकी शहदत को याद करते हुए दीपों से भारत का अखंड नक्शा बनाया। इस मौके पर हाईस्कूल क प्रधानाध्यापक विलास पुदाल ने शहीदों को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। विद्यार्थियों ने शहीदों के सम्मान में नारे लगाए।

व्यवसायिक सफलता से बढ़ रही है जेबीएन की साख : प्रमोद बाफना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो जेबीएन पायोनियर्स की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें जीतो नॉर्थ के सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने कहा कि जीतो सदस्यों के बीच व्यवसायिक जुड़ाव की महत्वपूर्ण कड़ी बन चुके जेबीएन ने समुदाय के व्यवसायिक विकास एवं जीवंतता की प्रतिबद्धता पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास किया है। आज जेबीएन भारत भर में जुड़े हजारो सदस्यों के बीच सार्थक व्यवसायिक जुड़ाव एवं उत्कृष्टता का प्रतिबिंब बन चुका है और इसी के फलस्वरूप जेबीएन की साख भारत भर में बढ़ रही है। नया चैप्टर होने के बाद भी पायोनियर्स ने केवल 4 महीनों में लगभग 5 करोड़ का व्यवसाय किया जो कि उनकी सफलता का परिचायक है।

पायोनियर्स अध्यक्ष देवेंद्र जैन ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि सबसे युवा तथा जीवंत पायोनियर्स चेप्टर अपनी स्थापना के बाद से ही निरंतर विकास को गति देते हुए उत्कृष्ट ऊर्जा एवं समर्पण के साथ चमक रहा है। उन्होंने कहा कि चेप्टर बैठक दर बैठक उत्पादक एवं ज्ञानवर्धक परिणामों का मजबूत मंच तथा रेफ़रल समुदाय में विकास का प्रतीक बनता जा रहा है। सभा का मुख्य आकर्षण मैडपैरोट की प्रेक्षा कातरेला द्वारा आयोजित 10 मिनट का शैक्षिक प्रशिक्षण सत्र था, जिसमें उन्होंने अपने व्यवसायिक ।सफलता की कहानियों और विशिष्ट प्रश्नों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। जीता नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार पायोनियर्स के प्रत्येक सदस्य को सहयोग और नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के लिए 30 सेकंड के समय स्लॉट में अपने विशिष्ट उत्पाद प्रस्तुत करने का अवसर मिला। पायोनियर्स सचिव प्रेक्षा कातरेला रिपोर्ट पेश की।

आत्मा की उन्नति एवं सद्गति की प्राप्ति सिर्फ पुण्य के अधीन है : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि इंसान की जिंदगी में लोकप्रियता पाने का, रिश्तों को बनाने का अगर कोई आधार है तो वो इंसान की जुबान है। आत्मा की उन्नति एवं सद्गति की प्राप्ति सिर्फ पुण्य के अधीन है इसलिए पुण्य कार्य करना चाहिए।

वचन पुण्य के बारे में समझाते हुए कहा कि परमात्मा के गुणगान, उनकी स्तवना, प्रभु की भक्ति स्तुति, साधु का गुणगान करने, बड़ों के प्रति विनय व नम्रता, परिवार से प्रेम होना ही वचन पुण्य है।

हमारे वचन पर हमारा नियंत्रण होना चाहिए और हमेशा मधुर वचन ही बोलना चाहिए। मुनि श्री श्रमणपद्मसागरजी ने श्रीपाल राज व पांच पांडवों की कथा सुनाई। संघ के सचिव नरेंद्र आच्छा ने बताया कि संतश्री रविवारीय विशेष प्रवचन श्रृंखला में इस रविवार को 'मातृ पितृ वंदना अर्थात माता पिता के उपकारों को कभी भुलाया नहीं जा सकता' विषय पर विशेष प्रवचन देंगे।

आमंत्रण

कुमावत समाज क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्यों ने कर्नाटक राज्यपाल के ओएसडी शंकर गुर्जर से मुलाकात कर 16 अगस्त को आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होने का आमंत्रण दिया। संस्था के प्रकाश कुमावत, महेंद्र मालीवाड़, नोरतन बाकरेचा, राकेश मावर, दिनेश कुमार आदि ने उनका सम्मान भी किया।

दूसरों को बदलने की बजाय अपने में बदलाव लाएं : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि दूसरों को बदलने की बजाय अपने में बदलाव लाए।

गुरु गौतमस्वामी लब्धि अनुष्ठान के अवसर पर साध्वीश्री ने कहा कि गौतमस्वामी ने अहं का विसर्जन किया और अर्हम को पाया। परिवर्तनीय और अपरिवर्तनीय की व्याख्या करते हुए कहा कि हमारे जीवन में कुछ ऐसी बातें हो सकती जिनमें बदलाव नहीं हो सकता और कुछ चीजें बदली जा सकती है। हमें जो नहीं बदली जा सकती उनको बदलने का प्रयास करने की बजाय जो बदली जा सकती उनमें बदलाव के लिए कार्य करना चाहिए। इसके विपरीत होने से जीवन में मानसिक अवसाद व तनाव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि हम दूसरों का व्यवहार या सोच नहीं बदल सकते पर अपनी सोच व व्यवहार में बदलाव ला सकते है।

सभी का देखने का अपना-अपना नजरिया होता है जिसे नहीं बदला जा सकता है। माता-पिता का स्वभाव हम नहीं बदल सकते पर हम स्वयं को बदल परिवार में सुख शांति कायम रख सकते है।

साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने कहा कि सिमंधर स्वामी राजेंद्र सूरी ट्रस्ट की सेवा भक्ति सराहनीय है। उन्होंने ट्रस्ट को आशीर्वाद धर्मलाभ प्रदान किया। गौतम लब्धि अनुष्ठान का लाभ शांतिबाई तिलोकचंद वाणीगोता, मदनलाल गौतमकुमार वाणीगोता परिवार ने लिया। आरती का लाभ मूलचंद पटियात परिवार ने लिया। मांगीलाल वेदमुथा ने सभी को धन्यवाद दिया।

मंदिर होता है अध्यात्मिक उर्जा का पावर हॉउस : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि जीवन में शांति स्थापित हो सके और सुखरूप तरीके से जीया जाय उसके लिए आराधना-उपासना के स्थानों के निर्माण किया जाता है । मंदिर में अनंत भाव और लाभ समाए हुए हैं। मंदिर में निरंतर श्रद्धालुओं के आवागमन से- ध्यान-जप-आराधना- उपासना होती रहने से उसकी सकारात्मक ऊर्जा स्व-पर ही नहीं पूरे विश्व में फैलती है। मंदिर निर्माण का सार यही है कि 'शिवमस्तु सर्वजगत:' अर्थात समस्त विश्व का कल्याण हो, सभी का भला हो। आज पूरा संसार, अशांत -अस्वस्थ और असमाधिस्थ है। संसार की इस दु:स्थिति को दूर करने का रामबाण इलाज एक ही है मंदिर। मंदिर में व्यक्ति प्रभु से लगन लगा सकता है तथा अपने कर्मों का क्षय कर सकता है । यह लाभ व्यवहारिक दृष्टि से भी बहुत बडा लाभ है। जिससे मनुष्य के इस जीवन को के स्थान को देने वाले गुण की प्राप्ति होती है।

बीएमटीसी जल्द चलाएगा आधुनिक इलेक्ट्रिक बसें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।बेंगलुरु के नागरिकों को अब ज्यादा स्मार्ट, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन मिलेगा। कर्नाटक सरकार के परिवहन मंत्री रामालिंगा रेड्डी, सरकार के परिवहन विभाग में सचिव, आईएएस डॉ. एन. वी. प्रसाद और बेंगलूरु मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (बीएमटीसी) की प्रबंध निदेशक, आईएएस सुश्री जी. सत्यवती ने आज कर्नाटक, बीएमटीसी और टाटा मोटर्स के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में टाटा मोटर्स की स्मार्ट इलेक्ट्रिक बस के एक प्रोटोटाइपको हरी झंडी दिखाई। टाटा मोटर्स के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टीएमएल स्मार्ट सिटी मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड और बीएमटीसी के बीच हुए एक बड़े ऑर्डर के तहत, कंपनी 12 वर्षों की अवधि के लिये 12-मीटर की 921 अत्याधुनिक लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, परिचालन एवं रख-रखाव करेगी। टाटा स्टारबस ईवी देश में ही विकसित एक बस है, जिसमें स्थायित्वपूर्ण एवं आरामदेय यात्रा के लिये उन्नत डिजाइन तथा श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ फीचर्स दिए गए हैं।

प्रदर्शन

रांची में शुक्रवार को पंचायत सचिवालय सेवक संघ के सदस्यों ने मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा घेराव के दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

'पुण्य के कर्म ही मानव को सदगति में ले जाते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि मानव इस जीवन की दिनचर्या में पाप-पुण्य के मामूली अंतर को समझ नहीं पाता है। जिन धर्म के शास्त्रों में पाप और पुण्य के अंतर को बताया है। गुरुवाणी सुनने और प्रवचन में जाने वाले साधक हमेशा सही राह पर चलते हैं। सच्चे मन से किया पश्चाताप पापफल को नष्ट कर देता है। इससे ही मनुष्य आने वाले बुरे कर्मों से बच सकता है। उन्होंने कहा पाप और पुण्य के कर्म ही मानव को सदगति और दुर्गति की ओर ले जाते हैं। जाने-अनजाने गृहस्थ जीवन में मानव से कोई भी छोटा या बड़ा पाप कर्म हो जाता है। इसके लिए मन में पश्चाताप की भावना लाएं। संसार के सभी धर्म मानव को पाप से बचने की सीख देते हैं। जैन धर्म में आत्म आलोचना के माध्यम से पश्चाताप किया जाता है। धर्म, ईश्वर व गुरु के प्रति मानव को हमेशा श्रद्धा रखना चाहिए। नास्तिक कभी अधर्म से नहीं डरता है। धर्म पथ पर चलने वाला मानवता की भलाई करता है। पाप और पुण्य की व्याख्या करते हुए कहा कि पाप और पुण्य छुपाएं नहीं छुपता है। पुण्य की चमक और पाप का भय तो व्यक्ति के चेहरे पर ही झलकता है जैसे पुष्प की सुंदरता व कोमलता बाहरी स्वरूप देखकर ही झलकती है इसी तरह पुण्य की भी चमक व्यक्ति के व्यक्तित्व व चेहरे पर दिखाई देती है। धर्म एक अनुभति दिखावा नहीं है और धर्म का फल हमेशा मीठा होता है जिसका अनुभव धर्म प्रधान व्यक्ति ही कर सकता है। यह जानकारी जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने दी

माया से मित्रता का नाश होता है : साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी की निश्रा में धर्म बिंदु ग्रंथ और अमरकुमार सुरसुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए प्रियश्रेयांजनाश्रीजी म सा ने कहा कि ठगना, छल करना, कपट करना यह माया कषाय है। इंसान दूसरों को ठगता है और स्वयं भी ठगा जाता है। क्रोध, मान, लोभ को सर्प (नाग) की उपमा दी गई है, जबकि माया को नागिन की उपमा दी गई है, सर्प का जहर शायद दूर भी हो जाये पर नागिन का जहर नहीं उतरता। माया की छाया अपने पर नहीं लानी चाहिए। हाथी के दांत खाने के एक और दिखाने के एक है, वैसे ही मायावी की कथनी और करनी में अन्तर है। मायावी की प्रवृत्ति मुंह में राम बगल में छुरी जैसी है। माया से मित्रता का नाश होता है। माया के साथ झूठ आता है, बिना झूठ ,मृशावाद के माया नहीं आती है। माया करने से स्त्रीवेद कर्म, तिर्यच गति का बंध होता है, इसलिए माया की छाया लगने मत दो। माया संसार भ्रमण की जनेता है। हमें जीवन में सुई से रिश्तों की सिलाई करनी हैं न की कैंची की तरह काटना है। डॉक्टर शल्य चिकित्सा में माया करेगा तो कुछ दिन में इसका परिणाम सामने आ जाता है, जबकि माया करने वाले का संसार बढ़ जाता है। दान देना, तप करना, ज्ञान प्राप्त करना सरल है, पर सीधा सरल बनना कठिन है।

हम हमेशा दूसरों के लिए उपकारी बनें : साध्वी संस्कारनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी श्री संस्कारनिधिश्रीजी ने 'स्वार्थ से परार्थ की ओर' विषय पर कहा कि हमारे द्वारा किए गए कार्य के आंकड़ों की तुलना में हमारे द्वारा लिए गए उपकारों की संख्या ज्यादा है। जीव सृष्टि में मनुष्य सबसे अधिक शक्ति संपन्न होने पर भी पृथ्वी, पानी, अग्नि,वायु, वनस्पति की मदद लेकर जीता है। हम दूसरों के उपकार को समझने कि तो कोशिश करें। हम पेड़ की तरह सरल बने और पानी की तरह तरल बने तो अनेकों के लिए उपकारी बन सकते हैं।

कुछ वृक्ष सिर्फ छाया देते है तो कुछ फल पर कुछ फल और छाया दोनों देते हैं। कुछ वृक्ष न फल देते है न छाया, लेकिन कांटों की चुभन देते हैं। हम दूसरों के जीवन में फल और छाया देने वाले पेड़ बनकर परार्थ के मार्ग पर बढ़े।

'श्रावक का पहला गुण सागर जैसी गम्भीरता'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्री की शिष्या श्री प्रियकल्पनाश्रीजी ने कहा कि जिस प्रकार पांव का कांटा हमारे पांव को आगे नहीं बढ़ने देता, उसी प्रकार हमारे दिल में चुभा हुआ कांटा हमारी आत्मा की प्रगति में बाधक है। हमें हर छोटी छोटी बातों को दिल में नहीं लगाकर छोड़ देना चाहिए। पांव में चुभा हुआ कांटा तो एक बार निकल जाएगा लेकिन दिल में चुभा हुआ कांटा हमारी आत्मा को आगे नहीं बढ़ने देगा, इसलिए परमात्मा ने हमारे लिए सांवत्सरिक महापर्व और क्षमापना पर्व की व्यवस्था हमारे दिल में चुभे कांटे को निकाल कर क्षमा लेना और प्रदान करने की व्यवस्था दी है।

साध्वीश्री ने कहा कि एक श्रावक का पहला गुण सागर जैसी गम्भीरता और अक्षुद्रता होना चाहिए। श्रावक कभी क्षुद्र छिछला नहीं बन सकता है। जिस प्रकार सागर में एक पत्थर डालने से थोड़ी लहरें अथवा हलचल तो होगी लेकिन वो हलचल तुरंत समाप्त हो जाएगी। सागर पत्थर को अपने अन्दर समाहित कर लेता है। हमें परमात्मा की वाणी से प्रीति होगी तो परमात्मा से प्यार और श्रद्धा भी होगी। जो मोक्ष की ओर जोड़ दें उसे ही योग कहते हैं। परमात्मा की वाणी के चार शब्द सुनने से भी रोहिणिया चोर का कल्याण हो गया। व्यक्ति अगर कुछ कल्पना करें और वह पूरी नहीं होने से व्यक्ति दुखी हो जाता है।

मणिपुर हिंसा को लेकर लंदन में प्रदर्शन

लंदन।मणिपुर में हिंसा के खिलाफ विरोध जताने के लिए ब्रिटेन स्थित भारतीय मूल के एक महिला समूह ने लंदन में प्रदर्शन करते हुए मौन जुलूस निकाला। द वूमन ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया सपोर्ट नेटवर्क (डब्ल्यूएनईएसएन) संगठन से जुड़े पुरुषों और महिलाओं ने यहां भारतीय उच्चायोग के समक्ष मौन प्रदर्शन किया। चेहरे पर मास्क लगाए प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां भी ले रखी थी। डब्ल्यूएनईएसएन ने एक बयान में कहा,' हमने मणिपुर में दो कुकी आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और सामूहिक बलात्कार की घटना के खिलाफ अपना दर्द और क्षोभ व्यक्त करने और पीड़िताओं के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए जुलूस निकाला।

बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेस-वे पर हादसों की संख्या ने बढ़ाई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेस-वे पर हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। यहां पिछले 7 महीनों से भी कम समय में 121 लोगों की जान चली गई। यह एक्सप्रेस-वे दोनों शहरों के बीच यातायात संबंधी समस्याओं के समाधान के तौर पर बनाया गया था, लेकिन इस पर होने वाले हादसों के आंकड़े परेशान करने वाले हैं। राजमार्ग का आधिकारिक उद्घाटन इस साल 12 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। हालांकि इसके कुछ हिस्से पिछले साल के आखिर से ही उपयोग में थे।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों की मानें तो 119 किमी लंबे राजमार्ग पर इस साल अब तक लगभग 400 हादसे हो चुके हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सुरक्षा निरीक्षण के लिए सड़क सुरक्षा समिति का गठन किया है, जिसने 17 से 20 जुलाई के दौरान साइट का दौरा भी किया। राज्य पुलिस को इंटरसेप्टर वाहनों के साथ गति सीमा लागू करने के लिए कहा गया है।

छह-लेन, दर्जनों हादसे

हादसे की एक बड़ी वजह वाहन चालकों द्वारा बहुत तेज़ रफ्तार से गाड़ी चलाना है। वे कहते हैं कि पूरे रास्ते में बहुत कम (करीब आधा दर्जन) एग्ज़िट (निकास) हैं। इस छह-लेन वाले, एलिवेटेड, एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण में 8,000 करोड़ रुपए से ज्यादा लागत आई थी। यह दो खंडों में विभाजित है। एक्सप्रेस-वे के बेंगलूरु-निदागट्टा खंड पर 189 हादसे हुए, जिनमें 59 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, निदागट्टा-मैसूरु खंड में यह आंकड़ा बड़ा है। वहां 209 हादसे हुए, जिनमें 62 लोगों ने जान गंवाई।

समय की बचत, लेकिन ...

यह एक्सप्रेस-वे केंद्र सरकार के भारतमाला परियोजना कार्यक्रम के एक हिस्से के तौर पर बनाया गया है। इसका उद्देश्य बेंगलूरु और मैसूरु के बीच यात्रा के समय को कम करना है। इससे काफी सुविधा हो गई, लेकिन हादसों की वजह से दर्जनों लोग घायल हुए या उनकी जान चली गई।

ये उपाय किए गए

हादसों को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने गति सीमा साइन बोर्ड के साथ अतिरिक्त एंट्री-एग्जिट बोर्ड भी लगाए हैं। वहीं, लाइफ सपोर्ट सिस्टम से लैस चार एंबलेंस लगाई गई हैं। आपात स्थिति के मद्देनजर पैरामेडिक स्टाफ उपलब्ध कराया गया है। टोल प्लाजा पर एक चिकित्सा सहायता पोस्ट मुहैया कराई गई है।

इन वाहनों पर प्रतिबंध

इसके अलावा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक्सप्रेस-वे पर एक अगस्त से दोपहिया वाहन, ऑटो, ट्रैक्टर, गैर-मोटर चालित वाहन, मल्टी-एक्सल हाइड्रोलिक ट्रेलर वाहन और साइकिल जैसे धीमी गति से चलने वाले वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एनएचएआई द्वारा 12 जुलाई को जारी अधिसूचना के अनुसार, तेज रफ्तार से चलने वाले वाहनों की आवाजाही तुलनात्मक रूप से धीमी गति से चलने वाले वाहनों, जैसे दो पहिया, तीन पहिया या अन्य धीमी गति से चलने वाले वाहनों की सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न कर सकती है।

'वैवाहिक मामलों का युद्ध स्तर पर निपटारा किया जाना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि शादी से जुड़े मामलों की सुनवाई और निपटारा युद्ध स्तर पर किया जाना चाहिए, क्योंकि मानव जीवन छोटा है और संबंधित पक्षों को नये सिरे से अपनी जिंदगी की शुरुआत भी करनी होती है। अदालत ने 2016 में अपनी शादी को खत्म/अमान्य घोषित करने के अनुरोध को लेकर उसका रुख करने वाले एक युवक की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि उच्चतम न्यायालय ने त्वरित न्याय के अधिकार को अनुच्छेद-21 के तहत संवैधानिक गारंटी के रूप में मान्यता दी है और इसलिए मामले के जल्द निपटान के लिए एक निर्देश जारी किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित ने हाल में पारित आदेश में कहा कि अदालत इस बात से सहमत है कि शादी से जुड़े मामलों का त्वरित निपटान कम से कम इसलिए जरूरी है, क्योंकि मानव जीवन छोटा होता है। इतिहासकार थॉमस कार्लाइल को उद्धृत करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा, जीवन बेकार की जीचों और भावनाओं पर समय गंवाने के लिए बहुत छोटा है।

उसने कहा, जब शादी से जुड़े किसी मामले में शादी को समाप्त/अमान्य घोषित करने का अनुरोध शामिल हो, तो अदालतों को एक साल की सीमा के भीतर इसका निपटारा करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए, ताकि ऐसा आदेश देने की स्थिति में संबंधित पक्ष नये सिरे से अपने जीवन की शुरुआत कर सकें। यह कहने की जरूरत नहीं है कि जिंदगी जीने में बीत जाती है। यह भी बताने की जरूरत नहीं है कि ऐसे मामलों के निपटारे में देरी से संबंधित पक्षों पर बहुत बुरा असर पड़ता है।

उच्च न्यायालय ने परिवार अदालत को सात साल पुराने मामले को तीन महीने के भीतर निपटाने का निर्देश दिया। उसने रजिस्ट्रार जनरल से फैसले को सभी संबंधित लोगों के बीच प्रसारित करने को कहा, ताकि समान परिस्थिति वाले अन्य वादी अपने मामले के शीघ्र निपटारे के लिए बेवजह इस अदालत का रुख न करें।

कर्नाटक शौचालय वीडियो मामला

गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा, सरकार घटना को हल्के में नहीं ले रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार उडुप्पी कॉलेज के शौचालय में वीडियो बनाने की घटना को हल्के में नहीं ले रही है और इस मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। डॉ. परमेश्वर ने कहा कि विपक्षी दल उनके बयान की अलग-अलग तरह से व्याख्या कर रहा है, जो अनुचित है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस घटना को लेकर अपना आंदोलन तेज कर दिया है। डॉ. परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हमारी एक जिम्मेदारी है। हम, जिसके पास सरकार चलाने की जिम्मेदारी है, इस घटना को हल्के में नहीं लेंगे। हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन भाजपा के नेता इसकी

अलग-अलग तरह से व्याख्या कर रहे हैं, जो उचित नहीं लगता।'

उडुप्पी जिले के एक पैरामेडिकल कॉलेज में 10 दिन पहले शौचालय में अपनी सहपाठी का वीडियो बनाने के सिलसिले में तीन छात्राओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने शुक्रवार को तीनों छात्राओं को सशर्त जमानत दे दी। भाजपा ने शुक्रवार को तीनों आरोपी लड़कियों के खिलाफ उडुप्पी में विरोध मार्च निकाला और धरना प्रदर्शन किया।

छात्राओं को जमानत मिली

उडुप्पी। उडुप्पी की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने कॉलेज के शौचालय में अपनी सहपाठी का वीडियो बनाने की आरोपी तीन छात्राओं को शुक्रवार को सशर्त जमानत दे दी। मालपे की पुलिस ने 25 जुलाई को तीन छात्राओं और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। शुक्रवार को छात्राओं ने अतिरिक्त दीवानी न्यायाधीश और प्रथम श्रेणी अदालत के न्यायिक मजिस्ट्रेट श्याम प्रकाश के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

पदक प्रदान

रायचूर में शुक्रवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में 12वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया और नए स्नातकों को पदक प्रदान किए।

सिद्दरामैया को अयोग्य करार देने की अपील, उच्च न्यायालय ने जारी किया नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक याचिका पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को नोटिस भेजा, जिसमें उन्हें कथित चुनावी कदाचार के आरोप में वरुणा विधानसभा क्षेत्र से अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया गया है।

सिद्दरामैया को नोटिस पर एक सितंबर तक जवाब देने के लिए कहा गया है। न्यायमूर्ति सुनील दत्त यादव ने यह आदेश सुनाया और सुनवाई स्थगित कर दी। याचिका में कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणापत्र को 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (2) के तहत रिश्वतखोरी और अनुचित प्रभाव के समान भ्रष्ट आचरण' कहा गया है। इस घोषणापत्र में कांग्रेस ने पांच गारंटियों का वादा किया गया था।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामैया ने संविधान के प्रावधानों और जन प्रतिनिधित्व कानून के नियमों और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है। याचिका में यह दावा भी किया गया है कि उम्मीदवार और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने ये गारंटी दी थीं।

ऐसा प्रतिवादी (सिद्दरामैया) की सहमति से किया गया था। वरुणा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को लुभाने और उन्हें कांग्रेस के उम्मीदवार यानी प्रतिवादी को वोट देने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ये गारंटी दी गईं। याचिका विधानसभा क्षेत्र के निवासी के.एम शंकर ने दायर की है।

राज्यपाल को नहीं होने दिया गया विमान में सवार, विमानन कंपनी ने मांगी माफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को बृहस्पतिवार को कथित तौर पर 'देर' से पहुंचने की वजह से एअर इंडिया की सहयोगी कंपनी एआईएक्स कनेक्ट के विमान में सवार होने की अनुमति नहीं दी गई।

राज्यपाल के कार्यालय ने इस संबंध में प्रोटोकॉल के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद शुक्रवार को विमानन कंपनी ने माफी मांगी। बृहस्पतिवार को गहलोत को विमान में चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई और यह बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हो गया।

राज्यपाल के प्रोटोकॉल अधिकारी एम. वेणुगोपाल ने इस घटना के लिए एआईएक्स कनेक्ट और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हवाई अड्डे के थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, गहलोत को बृहस्पतिवार अपराह्न दो बजकर पांच मिनट पर टर्मिनल-2 से एएक्सआई कनेक्ट की उड़ान संख्या आई5 972 में सवार होकर हैदराबाद जाना था। शिकायत में कहा गया है, राज्यपाल एक बजकर 10 मिनट पर राजभवन से रवाना हुए और एक बजकर 35 मिनट पर टर्मिनल-1 के वीआईपी लाउंज पहुंचे। उस समय तक राज्यपाल का सामान विमान में रखवा दिया गया था। प्रोटोकॉल अधिकारी ने कहा कि उन्होंने हवाई अड्डे की अतिथि संबंध सहायक संस्कृति के साथ मिलकर राज्यपाल के लिए विमान में सवार होने की व्यवस्था की।

अधिकारी ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल के एडीसी को भी टर्मिनल-2 पर पहुंचने की सूचना दे दी थी। राज्यपाल अपराह्न दो बजकर छह मिनट पर विमान की सीढ़ी के पास पहुंचे। शिकायत में आरोप लगाया गया है, हालांकि एअर एशिया (एआईएक्स कनेक्ट) के कर्मचारी आरिफ ने राज्यपाल को विमान में सवार होने की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा कि पहुंचने में देर हुई है। हालांकि तब तक भी विमान के द्वार खुले हुए थे।

वेणुगोपाल ने कहा, इसके अलावा, राज्यपाल का सामान उतार दिया गया, जिसमें 10 मिनट खराब हो गए। राज्यपाल तब भी सीढ़ी के पास खड़े थे और विमान के दरवाजे खुले थे। फिर भी विमान में सवार होने की अनुमति न देकर राज्यपाल की उपेक्षा और अपमान किया गया।

उन्होंने कहा कि इसके बाद राज्यपाल वीआईपी लाउंज में लौट गए। सूत्रों ने कहा कि 90 मिनट बाद दूसरी उड़ान से राज्यपाल हैदराबाद पहुंचे। शिकायत में कहा गया है, इस घटना से राज्यपाल काफी आहत हुए, जो कर्नाटक के प्रथम नागरिक हैं। उनके आधिकारिक कर्तव्य के निर्वहन में बाधा डालकर उनके प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया है। हम आपसे (एआईएक्स कनेक्ट के स्टेशन प्रबंधक) ज़िको सोरेस, आरिफ और एअर एशिया (एआईएक्स कनेक्ट) के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध करते हैं।

विमानन कंपनी ने घटना पर खेद व्यक्त किया और कहा कि वे चिंताओं को दूर करने के लिए राज्यपाल के कार्यालय के संपर्क में हैं। एआईएक्स कनेक्ट के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमें इस घटना पर गहरा अफसोस है।

अदालत ने गैंगस्टर रवि पुजारी की जमानत याचिका खारिज की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्रीनिवास हरीश कुमार की एकल पीठ ने बेंगलूरु के एक पुलिस थाने में दर्ज मामले में गैंगस्टर रवि पुजारी उर्फ रवि प्रकाश की ओर से दाखिल जमानत याचिका खारिज कर दी है। जमानत याचिका भले ही खारिज कर दी गई हो, लेकिन उच्च न्यायालय ने कहा कि सुनवाई में देरी के लिए सरकारी वकील को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

न्यायमूर्ति कुमार ने बृहस्पतिवार को अपने आदेश में कहा, निचली अदालत ने काफी वक्त पहले आरोप तय कर दिए थे, लेकिन सरकारी वकील गवाहों से पूछताछ नहीं कर सके। सरकारी वकील द्वारागवाहों को बुलाया जाना चाहिए था और अदालत के समक्ष पेश किया जाना चाहिए था। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, निचली अदालत सुनवाई एक वर्ष में पूरी करे।

अगर सुनवाई एक वर्ष में पूरी नहीं होती है, तो सरकारी वकील जिम्मेदार होंगे। आरोपी पुजारी के वकील ने अदालत के समक्ष दलील दी कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। अदालत के आदेश को ढाई वर्ष बीतने के बाद भी एक भी गवाह से पूछताछ नहीं हुई। इस संबंध में यदि सुनवाई में देरी हुई, तो जनता का न्यायपालिका पर से विश्वास उठ जाएगा। सरकारी वकील ने बताया कि पुजारी के खिलाफ कर्नाटक में 10 प्रतिशत मामले, जबकि महाराष्ट्र, केरल, गुजरात और राजस्थान में 20 मामले लंबित हैं और चूंकि आरोपी को जांच के सिलसिले में अलग-अलग राज्यों में ले जाया जाता है, इसलिए इस मामले की सुनवाई में देरी हो रही है। आरोप है कि रवि पुजारी के कहने पर उसके 17 गुर्गों ने रियल एस्टेट क्षेत्र में खौफ पैदा करने और कारोबारियों से धन उगाही करने के लिए एक जनवरी से 15 फरवरी 2007 के बीच रियल एस्टेट कारोबारी केएस समीउल्लाह और शबनम डेवलपर्स के उसके दोस्तों को जान से मारने की कोशिश की थी।

वैज्ञानिकों ने हिमालय में 60 करोड़ वर्ष पुराना समुद्री पानी खोजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) और निगाता विश्वविद्यालय, जापान के वैज्ञानिकों ने हिमालय में करीब 60 करोड़ वर्ष पुराने समुद्री जल की खोज की है। समुद्री जल की ये बूंदें खनिज भंडारों के बीच थीं। बेंगलूरु स्थित आईआईएससी ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार वहां एकत्र निक्षेपण में कैल्शियम और मैग्नीशियम कार्बोनेट दोनों थे।

इसमें कहा गया है कि निक्षेपण के विश्लेषण से टीम को उन संभावित घटनाओं की जानकारी मिली जिनके कारण पृथ्वी के इतिहास में एक बड़ी ऑक्सीजनिकरण की घटना हुई होगी। बयान के अनुसार, वैज्ञानिकों का मानना है कि 70 से 50 करोड़ वर्ष पहले, पृथ्वी बर्फ की मोटी चादरों से ढकी थी। इसमें कहा गया है कि इसके बाद पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि हुई जिससे जटिल जीवन रूपों का विकास हुआ।

अटल पेंशन योजना आउटरीच कार्यक्रम

वृद्धावस्था आय को सुरक्षित करने के लिए पेंशन की जरूरत पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के कवरेज का विस्तार करने के लिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), कर्नाटक और पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की डब्ल्यूटीएम (अर्थशास्त्र) ममता शंकर ने की। एसएलबीसी कर्नाटक के संयोजक और केनरा बैंक महाप्रबंधक एम भास्कर चक्रवर्ती ने स्वागत भाषण दिया। केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक हरदीप सिंह अहलूवालिया ने उद्घाटन भाषण में सभी सदस्य बैंकों से एपीवाई को राज्य के सभी कोनों तक ले जाने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। बैठक में जिला पंचायत, बेंगलूरु शहरी की उप सचिव अनिता ने भी भाग लिया। भारतीय रिज़र्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक मुरली मोहन पाठक और नाबार्ड के उप महाप्रबंधक संदीप धारकर ने भी बैठक को संबोधित किया। ममता शंकर ने देश में असंगठित क्षेत्र की वृद्धावस्था आय को सुरक्षित करने के लिए पेंशन की आवश्यकता पर जोर दिया। हरदीप सिंह अहलूवालिया ने एपीवाई के तहत समस्त पात्र आबादी को कवर करने पर जोर दिया और सदस्य बैंकों से वित्त वर्ष 2023-24 का लक्ष्य हासिल करने का अनुरोध किया।

उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कर्नाटक में कुल नामांकन 5,92,713 हैं, जबकि लक्ष्य 7,00,640 का है। वहीं, 31 मार्च तक उपलब्धि का प्रतिशत 85 है। उन्होंने बैंकों को राज्य में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में एपीवाई को पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी और बीसी मॉडल का उपयोग करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के दौरान एपीवाई के तहत नामांकन में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए अग्रणी जिला प्रबंधकों को भी सम्मानित किया गया। 'एपीवाई सिटिजन्स चॉइस (एच2, वित्त वर्ष 2022-23)' अभियान के तहत यादगीर, कोप्पल, कलबुर्गी और कोलार जिलों के एलडीएम को सम्मानित किया गया।

'अग्रणी जिला प्रबंधक के वार्षिक पुरस्कार 2022-23' के तहत विजयपुरा, यादगीर और दावणगेरे जिलों के एलडीएम को सम्मानित किया गया। ममता शंकर ने कहा, पीएफआरडीए एपीवाई ग्राहक आधार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के अपने प्रयास जारी रखेगा। प्रवेश कुमार ने एपीवाई पर प्रजेंटेशन दिया। कार्यक्रम में बैंकवार और जिलावार प्रदर्शन की समीक्षा की गई। सभी बैंकों और अग्रणी जिला प्रबंधकों को एपीवाई के तहत लक्ष्य हासिल करने पर अधिक ध्यान देने की सलाह दी गई।

Karnataka Government Secretariat
Vidhana Soudha, Bengaluru.

No.DPAR 11 SAT 2023 **Dated: 28.07.2023**

ADVERTISEMENT

Sub: Recruitment to the post of Administrative Member in the Karnataka State Administrative Tribunal.

The State Government is initiating action to fill one post of 'Administrative Member' in Karnataka State Administrative Tribunal, Principal Bench, Bengaluru which will be vacant from 23.09.2023.

2. The eligibility criteria for appointment as 'Administrative Member' as stipulated in Rule 3 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 is as follows:-

Sub rule 5(c): A person shall not be qualified for appointment as Administrative Member, unless he has held the post of Additional Secretary to the Government of India or any other post under the Central Government or a State Government and carrying the scale of pay which is not less than that of an Additional Secretary to the Government of India:

Provided that the officers belonging to the All-India services who were or are on Central deputation to a lower post shall be deemed to have held the post of Additional Secretary from the date such officers were granted proforma promotion or actual promotion whichever is earlier to the level of Additional Secretary and the period spent on Central deputation after such date shall count for qualifying service for the purpose of this clause.

3. As per Section 3(1) of The Tribunals Reforms Act, 2021 a person who has not completed the age of fifty years shall not be eligible for appointment as a Member of a Tribunal.
4. As per Rule 10 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 a Member shall be paid a salary of Rs. Two lakh twenty-five thousand per month and as per Rule 11 of the said rules a member shall be entitled to draw allowances and benefits as are admissible to a Government of India officer holding Group-A post carrying the same pay.
5. Member shall be eligible for House rent allowance, transport allowance, leave, pension as per the said rules; and other terms and conditions of service shall be governed by the provisions of the Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021.
6. As per Section 5(ii) of The Tribunals Reforms Act, 2021 a Member shall hold office for a term of four years or till he attains the age of sixty seven years, whichever is earlier.
7. The Vacancy Circular and PROFORMA of Application and Declaration to be given by the applicant may be downloaded from DPAR Official Website **https://dpar.karnataka.gov.in** The Applications (in two Sets) duly filled along with necessary documents (in five sets) shall be submitted to Secretary to Government, Department of Personnel and Administrative Reforms, Room No. 246, 2nd Floor, Vidhana Soudha, Bengaluru-560001.
8. The Applications shall be submitted through proper channel (wherever applicable)
9. **Last date for submission of Applications shall be 11.09. 2023**

The Administrative Tribunals Act, 1985, The Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 are also available in the website.

NB:- Before applying it is requested to read thoroughly the Acts and Rules referred above and specific instructions given therein to the applicants.

Sd/-
Member - Secretary

DIPR/CP/AAPL/RO706/23-24

पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए हवाई यात्रा से रवाना होंगे 100 वरिष्ठ नागरिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2023 के तहत नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए गंगानगर के 100 वरिष्ठ नागरिकों आज हवाई यात्रा से जाएंगे। देवस्थान मंत्री श्रीमती शकुन्तला रावत ने यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए दिल्ली रवाना किया। यात्री दोपहर 2 बजे दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से काठमांडू के लिए फ्लाइट से उड़ान भरेंगे

मंत्री श्रीमती रावत ने जलमहल, आमेर रोड़ स्थित बलदेव परशुराम धर्मशाला में आयोजित यात्रा शुभारम्भ कार्यक्रम में कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए यह पहली हवाई यात्रा है। उन्होंने बताया कि गंगानगर जिले के चयनित 100 यात्री आज दिल्ली से हवाई यात्रा के जरिये काठमांडू जाएंगे और भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह शुभ संयोग ही है कि यात्रा की शुरूआत श्रावणमास में हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप ही वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों के दर्शन कराने हेतु हवाई यात्रा सुविधा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योजना के तहत तीर्थ स्थलों के दर्शनों हेतु 36 हजार वरिष्ठ नागरिक रेल यात्रा एवं 4000 वरिष्ठ नागरिक हवाई यात्रा करेंगे।

मंत्री श्रीमती रावत ने पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे वरिष्ठ नागरिकों से बस में पहुंचकर बातचीत की। सभी यात्रियों ने इस यात्रा के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना से ही आज उनका पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन का सपना संभव हो पाया है। बहुत से यात्रियों ने कहा कि उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा है कि वे हवाई यात्रा से तीर्थ पर जा रहे हैं।

मंत्री श्रीमती रावत ने यात्रा में साथ जा रहे विभाग के कर्मचारियों को वरिष्ठ नागरिकों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनके आरामदायक प्रवास की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये। श्रीमती रावत ने सभी यात्रियों को यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।

श्रीमती रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभाग के 593 मंदिरों की साज-सज्जा, रंग रोगन, भगवान की पोशाक आदि कार्यों के लिए 593 लाख रुपये की राशि जारी की है। इसके अलावा गोविंद देव जी मंदिर में कॉरिडोर निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति भी जारी की है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के अन्य प्रमुख मंदिरों (खाटूश्यामजी, कैलादेवी, बेणेश्वरधाम) में कॉरिडोर निर्माण कराया जायेगा, जिससे मंदिर मार्गों का सौन्दर्यीकरण एवं जन सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि विभाग के अधीन सभी शिव मंदिरों में श्रावण मास एवं अधिक मास में रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मंत्री श्रीमती रावत ने बताया कि विभाग द्वारा रामनवमी, हनुमान जन्मोत्सव, नवरात्रि के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

राजस्थान के ओलंपिक खेलों की चर्चा देश-विदेश तक : चांदना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस बार ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन एक साथ कराया जा रहा है और इसमें लगभग साढ़े अठावन लाख खिलाड़ी भाग लेंगे। इस भव्य आयोजन के लिए राज्य सरकार ने भरपूर संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहे।

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर शुरु किए गए ओलंपिक खेलों की चर्चा देश विदेश तक होने लगी है और इस बार आगामी पांच अगस्त से शुरु होने वाले राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों में करीब साढ़े अठावन लाख खिलाड़ी भाग ले रहे है जो दुनियां के सामने एक नई मिशाल कायम होगी।

युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि इन खेलों की चर्चा देश-विदेश तक है और इन खेलों का भव्य आयोजन किया जायेगा जिसकी पूरी तैयारियां की गई है। उन्होंने बताया कि इस बार ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन एक साथ कराया जा रहा है और इसमें लगभग साढ़े अठावन लाख खिलाड़ी भाग लेंगे। इस भव्य आयोजन के लिए राज्य सरकार ने भरपूर संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि यह इतना बड़ा आयोजन होने जा रहा है जो दुनिया के सामने एक नई मिशाल पेश करेगा। चांदना गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से खेल आयोजन से जुड़े राज्यभर के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का इस पूरे कार्यकाल के दौरान सबसे ज्यादा फोकस युवाओं और खेल पर रहा है। उनकी सोच है कि प्रदेश के लोग खेलों से जुड़ें और खेल मैदान तक पहुंचे ताकि हम 'फिट राजस्थान, हिट राजस्थान' की संकल्पना को साकार करने के साथ प्रदेश में खेलों को लेकर उत्साही माहौल बना सकें। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेशवासियों के स्वस्थ रहने के साथ ही युवा खेलों में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक पदक जीत सकेंगे।

चांदना ने कहा कि इन खेलों के पहले संस्करण का हम पिछले साल सफलतापूर्वक आयोजन करवा चुके हैं, जिसकी देश-दुनिया में सराहना मिली और कई राज्यों ने ऐसा आयोजन करने की पहल की है। छत्तीसगढ़ में गत दिनों इसी प्रकार का आयोजन शुरू हुआ है जो हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इन खेलों के दूसरे संस्करण को पहले से भी ज्यादा व्यापक और भव्य रुप में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पिछले आयोजन के मुकाबले इस बार प्रतिभागियों का पंजीयन ज्यादा हुआ है वहीं शहरी ओलंपिक खेल पहली बार जोड़े गए हैं। उन्होंने इसके लिए शिक्षा विभाग, स्वायत्त शासन विभाग, पंचायती राज, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा जिला प्रशासन को बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर सफल आयोजन करने के निर्देश दिए। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नरेश ठकराल ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के लिए 58 लाख 50 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है इनमें 24 लाख 46 हजार महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण खेलों के लिए 46 लाख 12 हजार तथा शहरी खेलों के लिए 12 लाख 38 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

ठकराल ने बताया कि इन खेलों में ग्राम पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं पांच अगस्त से शुरू होगी जो 10 अगस्त तक चलेगी। इसी प्रकार ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं 17 से 22 अगस्त तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं एक से छह सितम्बर एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 15 से 18 सितम्बर तक होगी। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में भी प्रारंभिक प्रतियोगिताएं पांच अगस्त से शुरू होगी और ग्रामीण ओलंपिक की तरह विभिन्न स्तर पर 18 सितम्बर तक खेली जाएंगी।

पूजा

चूरू में शुक्रवार को सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

राहुल गांधी नौ अगस्त को मानगढ़ धाम में सभा में लेंगे भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस बांसवाड़ा जिले में स्थित प्रसिद्ध मानगढ़ में विश्व आदिवासी दिवस पर आगामी नौ अगस्त को एक बड़ी सभा करेगी जिसमें उसके नेता राहुल गांधी शिरकत करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस आदिवासी दिवस मना रही है और नौ अगस्त को आदिवासियों के बीच एक बड़ी सभा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें राहुल गांधी को आमंत्रित किया गया था और उन्होंने इसके लिए स्वीकृति दे दी। डोटासरा ने बताया कि इस सभा में बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि मानगढ़ धाम स्मारक को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किए जाने की वर्षों से मांग की जा रही है और हम चाहेंगे कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है और इस मौके राहुल गांधी की मौजूदगी में आदिवासियों को बड़ा तोहफा मिले ताकि उनका उत्साह बना रहे। उन्होंने कहा कि वे मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक तो घोषित नहीं कर सकते लेकिन यह राष्ट्रीय स्मारक जैसा बने और ऊंचाइयों को छुए, इस तरह के काम करने के प्रयास किए जायेंगे। डोटासरा ने कहा कि आदिवासियों की हुंकार को कम नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर राजस्थान में कांग्रेस की सरकार दुबारा रिपीट हो और देश में सत्ता परिवर्तन हो इसके लिए वहां से हुंकार भरी जाएगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के कार्य करने के लिए काम करती है जबकि भाजपा वोट के लिए काम करती है और उनकी सभाएं राजनीतिक हो रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी दिवस पर राहुल गांधी आ रहे हैं, उनका आना राजनीतिक नहीं बल्कि एक सामाजिक संदेश होगा कि हम आदिवासियों के साथ खड़े हैं और उनके सुख दुख में भागीदार बनें, इस उद्देश्य एवं भावना को लेकर काम कर रहे हैं। प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने आदिवासी क्षेत्र सहित विकास के कई काम किए हैं। प्रदेश में 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा, बिजली फ्री, सिलेंडर 500 रुपए में, पशुधन बीमा योजना सहित कई जनहितकारी योजनाओं के जरिए सरकार ने कई काम किए हैं और सरकार की इन योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक बैठे हुए गरीब आदिवासियों को भी मिला है, जिससे वे खुश है।

मुलाकात

टोंक में शुक्रवार को लोगों से साथ मुलाकात करते पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट।

भाजपा सत्ता और विपक्ष में फेल रही है : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक के विधायक सचिन पायलट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है जो सत्ता में फेल हो रही है और विपक्ष में भी फेल हो रही है। टोंक में सवांददाताओं से बातचीत में पायलट ने कहा कि प्रदेश भाजपा के पास साढे चार साल में कोई मुद्दा बचा नहीं है.. आपसी झगड़ों में वह फंसी हुई है..और सदन के अंदर और सदन के बाहर जो जिम्मेदार विपक्ष का काम होता है उस काम को वह नहीं कर पायी। उन्होंने कहा कि भाजपा केन्द्र में सता में है वहां विफल रही और यहां भी वह विफल रही। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में तेलंगाना, छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश और राजस्थान समेंत चारों राज्यों में सरकार कांग्रेस पार्टी की बनेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि जैसे चुनाव पास आते जाते हैं प्रधानमंत्री के भाषण राजनीतिक हो जाते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज भी राजस्थान की पूर्वी नहर परियोजना (ईआरसीपी) पर कोई घोषणा नहीं की और न ही उन्होंने राजस्थान के उस पैसे की बात की जो केन्द्र सरकार पर बकाया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने मौन धारण किया हुआ है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ जो घटना घटी, उसकी पुरावृत्ति न हो-- इसका आश्वासन प्रधानमंत्री दे दें, तो बेहतर है। पायलट आज टोंक के दौरे पर रहे जहां उन्होंने नव-नियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष के पदभारग्रहण कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

उन्होंने कहा, '' विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। हमें सभी को साथ लेकर एकजुटता के साथ चुनाव में जाना है और देश को तोडने वाली ताकतों को करारा जवाब देना है।'' उन्होंने कहा कि केन्द्र में पिछले नौ वर्षो से भाजपा सरकार सत्ता पर काबिज है और सत्ता के धमण्ड में चूर होकर उसने लोकतंत्र को समाप्त करने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नौ सालों में सरकारी एजेन्सियों का जमकर दुरूपयोग किया है।

दलित युवती ने दो युवकों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के जालूपुरा थाना क्षेत्र में एक दलित युवती ने दो युवकों के खिलाफ उसके साथ सामूहिक बलात्कार करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि 30 वर्षीय दलित युवती ने दो युवकों विवेक शर्मा और लोकेश शर्मा के खिलाफ एक होटल में उसके साथ सामूहिक बलात्कार करने का मामला दर्ज करवाया है।

उन्होंने बताया कि दर्ज प्राथमिकी के अनुसार दोनों युवकों ने 23 जुलाई को युवती को रील बनाकर पैसा कमाने के बहाने सिंधी कैंप बुलाया और चांदपोल बाजार की एक होटल में ले जाकर उसके साथ बारी-बारी से बलात्कार किया।

उन्होंने बताया कि दर्ज शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (डी) (सामूहिक दुष्कर्म) और एससी/एसटी कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आरोपी और पीड़िता एक-दूसरे से परिचित हैं और आरोपियों ने युवती को रील बनाने के काम से बुलाया और होटल में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि युवती की मेडिकल जांच करवा ली गई है और अब उसका बयान दर्ज कराया जाएगा।

सी 20 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन में गहलोत, राजनाथ सहित कई गणमान्य लोग लेंगे भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जी20 के ऑफिशियल एंगेजमेंट ग्रुप सिविल20 (सी20) का तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन शनिवार से राजस्थान की राजधानी जयपुर में शुरु होगा जिसके उद्घाटन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई गणमान्य लोग शामिल होंगे। यह तीन दिवसीय सम्मेलन 29 से 31 जुलाई तक जयपुर में आयोजित होगा। यह आयोजन पिछले आठ महीनों में दुनिया भर में नागरिक समाज संगठनों और नीति निर्माताओं के साथ व्यापक चर्चा के बाद अपने 16 कार्य समूहों द्वारा विकसित नीति सिफारिशों को प्रस्तुत करेगा।

सी20 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन में सी20 की अध्यक्ष माता अमृतानंदमयी देवी (अम्मा), मेक्सिको दूतावास के राजदूत फेडरिको सालास लोटफे, जी20 सूस-शेरपा अभय ठाकुर, सी20 कोर कमेटी सदस्य एम, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अध्यक्ष आरएमपी (रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी) विनय सहस्रबुद्धे, विवेकानन्द केन्द्र की डॉ. निवेदिता भिड़े और सी20 शेरपा विजय के. नांबियार भी शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम में 700 से अधिक प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे, जिनमें दुनिया भर के नागरिक समाज संगठन, प्रसिद्ध संस्थानों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ और जी20 अधिकारी शामिल होंगे।। सी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे दिन के समापन समारोह में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, जी20 इंडिया के शेरपा अमिताभ कांत, सी20 इंडिया ट्रोइका स्वामी अमृतस्वरूपानंद पुरी और सिविल 20 शेरपा विजय के. नांबियार शामिल होंगे। जयपुर सी20 शिखर सम्मेलन के मुख्य आकर्षण में सी20 पॉलिसी पैक का विमोचन, एक महत्वपूर्ण सामुदायिक पहल और सी20 विज्ञप्ति की घोषणा शामिल है। ये महत्वपूर्ण दस्तावेज़ जी20 सचिवालय को सौंपे जाएंगे और जी20 ब्राज़ील के प्रतिनिधियों को प्रस्तुत किए जाएंगे।

युवक ने अदालत परिसर में आत्महत्या का प्रयास किया

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले के केकड़ी थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार शाम को अदालत परिसर में एक युवक ने स्वयं पर पेट्रोल छिड़का और आग लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। सहायक पुलिस उपनिरीक्षक गोपाराम ने बताया कि खनन के व्यवसाय से जुडे अमित गौतम (32) ने बृहस्पतिवार की शाम अदालत परिसर में स्वयं पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली जिससे वह 60 से 70 प्रतिशत झुलस गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे उपचार के लिये अजमेर के जेएलएन अस्पताल में भर्ती करवाया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि खनन व्यवसाय में हुए घाटे और साझेदारों के साथ पैसों के विवाद के चलते गौतम अवसादग्रस्त था।

चिकित्सा मंत्री ने मोबाइल मेडिकल वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एक्स-रे, ईसीजी, स्पाईरोमेट्री सहित 37 प्रकार की ब्लड जांच से संबंधित उपकरणों से सुसज्जित है यह मोबाइल मेडिकल वैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीना ने शुक्रवार को अपने आवास से एक्स-रे, ईसीजी, स्पाईरोमेट्री सहित 37 प्रकार की ब्लड जांच से संबंधित उपकरणों से सुसज्जित एक मोबाईल मेडिकल वैन को हरी झंडी दिखाकर अलवर जिले के लिए रवाना किया। उल्लेखनीय है कि यह मोबाईल मेडिकल वैन लुपिन ह्यूमन वेलफेयर एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन, पुणे ने कॉर्पोरेट सोश्यल रिस्पोंसिबिलिटी के तहत चिकित्सा विभाग को प्रदान की है जो अलवर जिले में आमजन को गैर संक्रामक रोगों की जांच और परामर्श की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराएगी।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली एवं खराब दिनचर्या के कारणों से हृदय एवं फेफडों संबंधी गंभीर बीमारियों के मरीज लगातार बढ़ रहे है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह वैन इस तरह बीमारियों की पहचान एवं रोग निदान करने में यह उपयोगी सिद्ध होगी।

फाउण्डेशन के सीएसआर प्रमुख डॉ. निचिकेत ने बताया कि इस मोबाईल मेडिकल वेन को प्रथम चरण में अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों जाकर हृदय एवं फेफडों संबंधी गंभीर बीमारियों की जांच करेगी तथा मरीजों की पहचान कर आवश्यक उपचार के लिए उच्च चिकित्सा संस्थानों में पहुंचाएगी। इस अवसर पर अति. मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती शुभ्रा सिंह, मिशन निदेशक, एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, निदेशक, आरसीएच डॉ. लोकेश चतुर्वेदी, अति. निदेशक, चिकित्सा प्रशासन डॉ. एस.के. परमार, स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. आर.एन. मीना एवं फाउण्डेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कर विभाग की सहायक कमिश्नर एवं दलाल गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अनुसंधान इकाई जयपुर ने शुक्रवार को कार्यवाही करते हुए प्रियंका शर्मा सहायक वाणिज्य कर आयुक्त और दलाल वेदप्रकाश शर्मा को गिरफ्तार किया है। प्रियंका शर्मा पर दलाल के जरिए 6.10 लाख रूपए की रिश्वत लेने का आरोप है। एसीबी की टीम सहायक वाणिज्यक कर आयुक्त और दलाल के आवास एवं अन्य ठिकानों पर छापेमारी करके तलाशी ले रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई को दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 6 जुलाई, 2023 को उसकी फर्म के सर्वे के दौरान उसके खाते-ऑफिस सीज करने धमकी देकर प्रियंका शर्मा द्वारा 28 लाख रूपए रिश्वत मांग कर परेशान किया गया। इसके बाद आरोपिया द्वारा 23 जुलाई 2023 को दलाल वेदप्रकाश (प्राइवेट व्यक्ति) के माध्यम से 6 लाख 10 हजार रूपए की रिश्वत वसूल कर ली। इस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के सुपरवीजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसके बाद शुक्रवार को पुलिस निरीक्षक सज्जन कुमार द्वारा जयपुर में कार्यवाही करते हुए प्रियंका शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रियंका झोटवाड़ा के सत्य नगर में राजपूताना मार्ग पर रहती है। जबकि दलाल वेदप्रकाश शर्मा तिरूपति फ्लेटस, कालवाड़ रोड़ झोटवाड़ा का रहने वाला है।

हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि आरोपिया एवं दलाल से रिश्वत राशि बरामद करने के संबंध में पूछताछ की जा रही है। एसीबी के महानिरीक्षक सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपियों के आवास एवं ठिकानों पर तलाशी जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

बस में सवार होने वाली महिला अगर पहली यात्री है तो उसे नहीं रोकें: ओडिशा महिला आयोग

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा राज्य महिला आयोग (ओएससीडब्ल्यू) ने भेदभाव को बढ़ावा देने वाले अंधविश्वास को दूर करने के लिए परिवहन विभाग को यह आदेश जारी करने के लिए कहा है कि महिला अगर बस में सवार होने वाली पहली यात्री है तो उसे नहीं रोका जाए।

ओएससीडब्ल्यू का यह आदेश एक याचिका के निस्तारण पर आया है जिसमें आरोप लगाया गया है कि बस के कर्मचारी महिला यात्रियों को बतौर पहले यात्री के रूप में सवार होने से रोकते हैं क्योंकि वे इसे अपशकुन मानते हैं। आयोग ने पाया कि यह अतार्किक और भेदभावपूर्ण प्रथा इस अंधविश्वास से उपजी है कि यदि वाहन में सबसे पहले यात्री के तौर पर कोई महिला सवार होती है तो वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है या दिन में व्यापार में घाटा हो सकता है।

सोनपुर के सामाजिक कार्यकर्ता घासीराम पांडा ने महिला आयोग के समक्ष यह याचिका दायर की थी, जिसमें एक महिला यात्री को कथित रूप से भुवनेश्वर के बारामुंडा बस स्टैंड पर पहली यात्री के तौर पर बस में चढ़ने से रोके जाने का उल्लेख किया गया। आयोग ने 26 जुलाई को परिवहन आयुक्त सह अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर को लिखे पत्र में कहा,'इस प्रकार की घटनाएं पहले भी हमारी जानकारी में आई हैं। इसलिए, महिला यात्रियों को भविष्य में होने वाली असुविधाओं से बचाने और उनकी रक्षा एवं गरिमा की सुरक्षा के लिए आयोग आप से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करता है कि महिलाओं को सरकारी और निजी दोनों बसों में पहले यात्री के रूप में सवार होने दिया जाए। शीघ्र कार्रवाई करते हुए ओएससीडब्ल्यू को सूचित किया जाए।

राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का कार्यक्रम है 'मेरी माटी-मेरा देश': योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि 'मेरी माटी-मेरा देश' राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का कार्यक्रम है। योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

योगी ने कहा, आजादी के अमृत वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में स्वाधीनता दिवस के अवसर पर 'मिट्टी को नमन, वीरों का वन्दन' के संदेश के साथ 'मेरी माटी-मेरा देश' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का कार्यक्रम है। राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इस पुनीत कार्यक्रम में हर उत्तर प्रदेश वासी को सहभागी बनना चाहिए। आयोजन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, नौ से 15 अगस्त तक की अवधि के इस कार्यक्रम के अंतर्गत हर

ग्राम पंचायत व नगरीय निकाय में शिलाफलकम (स्मारक) स्थापित किया जाना है। शिलाफलकम पर आजादी के अमृत वर्ष का विजन प्रदर्शित होगा। स्थानीय वीरों, शहीदों का परिचय प्रदर्शित होगा और हर ग्राम व नगर में 'शिलाफलकम' का पूरे सम्मान के साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित कर लोकार्पण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वसुधा वंदन करते हुए पौधरोपण किया जाए, वीरों के वंदन के भाव के साथ स्वाधीनता संग्राम सेनानियों, अमर शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जाए।

योगी ने कहा, अमृत कलश में हर गांव-हर शहर की मिट्टी हो। यह कलश गांव से ग्राम पंचायत, फिर ब्लॉक मुख्यालय होते हुए जिला मुख्यालय पर एकत्रित हो। इसी प्रकार, सभी नगरीय निकायों के कलश जिला मुख्यालय स्थित नगर निगम/नगर पालिका पर एकत्रित हो। इसके बाद ये कलश राज्य की राजधानी लखनऊ पहुंचेंगे और फिर नोएडा होते हुए राजधानी दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर पूरे देश से आए अमृत कलश के साथ एकत्रित होंगे। मुख्यमंत्री ने प्रमुख अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी कि वे 'मेरी माटी-मेरा देश' कार्यक्रम के व्यवस्थित आयोजन के लिए जिलाधिकारियों से संवाद कर बेहतर कार्ययोजना तैयार कर लें। नौ से 15 अगस्त तक हर दिन का कार्यक्रम तय करें, राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन, प्रभात फेरियां, नुक्कड़ नाटक आदि के आयोजन भी किए जाएं।

ज्ञानवापी मुद्दे पर आंदोलन की कोई योजना नहीं, न्यायपालिका में विश्वास है : विहिप

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने शुक्रवार को कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद मुद्दे पर वह कोई आंदोलन नहीं करेगा क्योंकि उसे विश्वास है कि इस मामले में न्यायपालिका से सकारात्मक फैसला आएगा।

विहिप ने एक बयान जारी करके कहा कि सोशल मीडिया पर सूचना प्रसारित करके ऐसा दावा किया जा रहा है कि विहिप श्री राम जन्मभूमि आंदोलन की तरह ही श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मॉडल के साथ पूरे देश में जनजागरुकता आंदोलन चलाएगा।

विहिप के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने इस मुद्दे पर कहा कि मामला न्यायपालिका के समक्ष सुनवाई के लिए लंबित है और संगठन को न्यायपालिका पर पूर्ण विश्वास है। कुमार ने कहा, हमारा मामला न्यायसंगत और सही है। हमें पूर्ण विश्वास है कि अदालत के निर्णय में हमें इस संबंध में सफलता मिलेगी। उनहोंने कहा, इसलिए, विहिप ने इस मुद्दे पर कोई जनजागरुकता अभियान या जनांदोलन नहीं चलाने का निर्णय लिया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को ज्ञानवापी सर्वेक्षण मामले में सुनवाई के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। अदालत तीन अगस्त को निर्णय सुनाएगी। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की अदालत ने कहा कि तीन अगस्त तक एएसआई सर्वेक्षण पर लगी रोक बरकरार रहेगी। अदालत मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

मणिपुर का दौरा करेंगे 'इंडिया' के 20 सांसद, जमीनी स्थिति से सरकार और संसद को अवगत कराएंगे

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवपलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के 20 सांसद शनिवार से मणिपुर का दो दिवसीय दौरा करेंगे जहां वे हिंसा प्रभावित क्षेत्रों की जमीनी स्थिति का आकलन करने के बाद समस्याओं के समाधान के बारे में सरकार तथा संसद को अवगत कराएंगे। इन विपक्षी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल 29-30 जुलाई को मणिपुर का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई और फूलोदेवी नेताम, जनता दल (यूनाइटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह एवं अनिल हेगड़े, तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, द्रमुक की कनिमोई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पीपी मोहम्मद फैजल, राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचंद्रन और वीसीके पार्टी के टी थिरुमावलवन शामिल होंगे। इसके अलावा शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, भाकपा के संदोश कुमार, माकपा के ए ए रहीम, समाजवादी पार्टी के जोवद अली खान, आम आदमी पार्टी के सुशील गुप्ता, द्रमुक के डी रवि कुमार और आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर भी इस प्रतिनिमंडल का हिस्सा होंगे।

तिब्बत के लोगों के लिए नत्थी वीजा जारी करे सरकार: थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कुछ खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी किए जाने की निंदा करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार को भी यहां आने वाले तिब्बत के हर व्यक्ति के लिए नत्थी वीजा जारी करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि जब तक तिब्बत और भारत के बीच विवादित सीमा का समाधान नहीं हो जाता, तब तक तिब्बतवासियों को नत्थी वीजा ही जारी किया जाएगा। भारत सरकार ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कुछ खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी किए जाने को बृहस्पतिवार को अस्वीकार्य बताया था और कहा था कि वह ऐसे कदमों का ''समुचित उत्तर देने का अधिकार रखता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि भारत पहले ही इस मामले पर चीनी पक्ष के समक्ष अपना ''कड़ा विरोध दर्ज करा चुका है और भारतीय नागरिकों के लिए वीजा व्यवस्था में अधिवास या जातीयता के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। थरूर ने ट्वीट किया, अब बहुत हो गया। अपने खिलाड़ियों और चीनी वीज़ा चाहने वाले हर दूसरे अरुणाचलवासी को निराश करने की बजाय, हमें तिब्बत से भारतीय वीज़ा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति को स्वयं नत्थी वीज़ा जारी करना शुरू करना चाहिए।

अर्थव्यवस्था नंबर तीन पर पहुंचे या नंबर दो पर, बहन-बेटियों की सुरक्षा जरूरी : सपा

जयपुर/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था नंबर तीन पर पहुंचे या नंबर दो पर लेकिन आवश्यक यह है कि हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित रहें। उन्होंने सवाल किया, अगर महिलाओं का सम्मान नहीं होगा तो आप पैसे का क्या करेंगे?' उन्होंने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था नंबर तीन पर पहुंचे या नंबर दो पर आवश्यक यह है कि हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित रहें। किशनगढ़ हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से सपा अध्यक्ष ने कहा, मणिपुर हिंसा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की योजना और भाजपा की वोट की राजनीति दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा, ऐसी खबरें आ रही हैं कि वहां (मणिपुर में) पहाड़ के नीचे कुछ छुपा है और केन्द्र सरकार वहां की जमीन कुछ लोगों को देना चाहती है। अखिलेश यादव सैन्य स्कूल में उनके शिक्षक रहे शांति प्रकाश मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए अजमेर पहुंचे। उन्होंने अजमेर दरगाह में जियारत भी की। उन्होंने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का जिक्र करते हुए कहा कि ''जो लोग इंडिया से घबरा रहे हैं वो देश को क्या आगे बढाएंगे।

कानूनों में बदलाव से न तो जैव विविधता की रक्षा होगी और न ही संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने वन संरक्षण अधिनियम,1980 और राष्ट्रीय जैव विविधता अधिनियम, 2002 में प्रस्तावित संशोधन को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस कदम से न तो जैव विविधता की रक्षा होगी और न ही वन संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। रमेश ने सरकार पर उस समय निशाना साधा है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी ने कहा कि जैव विविधता के संरक्षण, सुरक्षा, बहाली एवं संवर्धन पर कार्रवाई करने में भारत लगातार आगे रहा है तथा अपने अद्यतन लक्ष्यों के माध्यम से देश ने और भी ऊंचे मानक तय किए हैं। जी-20 पर्यावरण एवं जलवायु स्थिरता पर यहां आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें यह कहते हुए गर्व होता है कि भारत ने अपने महत्वाकांक्षी ''राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के माध्यम से इस दिशा में नेतृत्व किया है। रमेश ने ट्वीट किया, कितना क्रूर मजाक है! व्यापक विरोध के बावजूद वन संरक्षण अधिनियम, 1980 और राष्ट्रीय जैव विविधता अधिनियम, 2002 में थोक में संशोधन किया जा रहा है और यह बात प्रधानमंत्री कहते हैं!

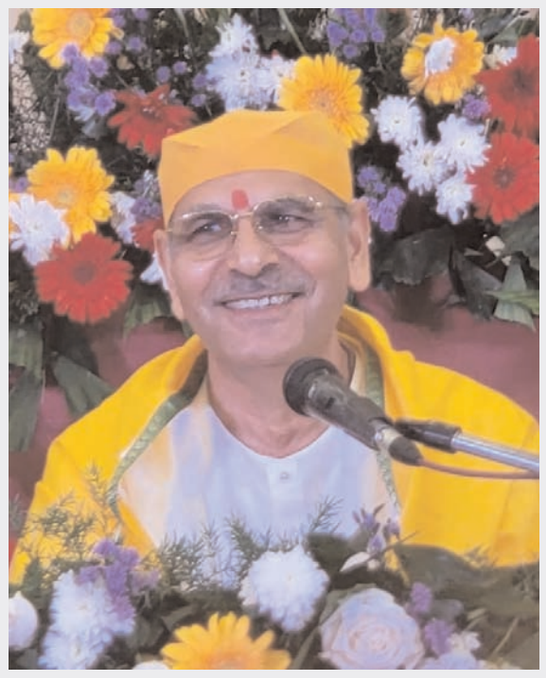

बेंगलूरु में शुक्रवार को श्रोताओं को अमृतज्ञान वर्षा से सरोबार करते हुए आचार्यश्री सुधांशु महाराज

प्रभु दर्शन के लिए स्वयं के भीतर झांकने की जरूरत : आचार्य सुधांशु

जयनगर में चल रही है तीन दिवसीय कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयनगर के पूर्णिमा कन्वेन्शन हॉल में चल रहे अमृत ज्ञान वर्षा के पहले दिन के दूसरे सत्र में विश्व जागृति मिशन के संस्थापक सुधांशुजी महाराज ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि संसार को देखने के लिए आंखें चाहिए वहीं प्रभु को देखने के लिए आंखें बंद करना पड़ता है। अपने अंदर झांकना होता है। ओम नमो भगवते वासुदेव की धुन के साथ शुरु हुए प्रवचन में उन्होंने बाहरी संसार से अपने भीतर की यात्रा कैसे करें उसके बारे में बहुत ही विस्तृत जानकारी श्रोताओं को दी। उन्होंने बताया कि संसार को देखने के लिए हमें आंखों की जरूरत होती है वहीं प्रभु के दर्शन के लिए हमें अपने अंदर झांकना होता है उसके लिए आंखों को बंद कर प्रभु का ध्यान करना होता है। संसार राग द्वेष से भरा हुआ है। कुछ वस्तुएं हैं जिनसे हम अटैच हैं और कुछ वस्तुओं से टिटैच है। हमें अपने प्रभु के साथ भी अटैच होना चाहिए। आज व्यक्ति अपने पुरुषार्थ ने जब सब कुछ हासिल कर लेता है और वह अपने आप पर इठलाता है। उसे खुशी होती है लेकिन यह सब वह सिर पर लेकर नहीं जा सकता है। जाते हैं तो केवल उसके अच्छे कर्म। उसकी अच्छी बातें लोग याद करते हैं।

सुधांशुजी ने कहा कि उम्र के साथ मोह घटना चाहिए। जब हमें ऊपर की ओर जाना होता है तो काफी ताकत लगानी होती है। जिसके लिए जो भी हम से चिपक रहे हैं उन्हें छोड़ना पड़ता है। बेमानी सीखने के लिए कोई स्कूल नहीं होता है। अपने आप बेमानी आदमी सीख जाता है। आंखें बंद कर दुनिया के मालिक को देखो। जिसका कोई नाम नहीं, रूप नहीं, रंग नहीं वहीं परमात्मा है। उससे जुड़ने के लिए जो मंत्र देते हैं वह सद्गुरु हैं। गुरु के प्रति समर्पण होना चाहिए। गुरु के प्रति तर्क कुतर्क नहीं करना चाहिए। श्रद्धा के साथ गुरु की बातों को आत्मसात करते हुए जीवन को सुधारना चाहिए।

गीता उपदेश को सुधांशुजी ने समझाया। जीवन की चर्या को सुधारने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि कर्मठता के साथ कार्य करना चाहिए। कोई भी काम उत्कृष्ट करना चाहिए। पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्य की शुरुआत करनी चाहिए। प्रतिदिन प्राणायाम करें। भोजन को पचाना शुरु करें। परमात्मा की तरफ जाने का अनन्य भाव हृदय में होना चाहिए। जब प्रभु की भक्ति में डूब जाते हैं तो फिर वह सबसे मुक्त कर देता है। प्रवचन के पूर्व हरीश गुप्ता परिवार ने आचार्यश्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु के अध्यक्ष के. के. टांटिया सहित सी.के. मेंडा, आदित्य टांटिया, सुभाष गोयल, गुलशन खन्ना, श्यामसुन्दर सुलतानिया, राजेन्द्र गोयल आदि उपस्थित थे।

हेमा मालिनी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खादर क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर रोक लगाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उत्तर प्रदेश)/भाषा। मथुरा से भाजपा की सांसद हेमा मालिनी ने यमुना के तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नदी के खादर क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। बृहस्पतिवार को लिखे पत्र में अभिनेत्री ने कहा है कि यमुना में बाढ़ से कई गांव और मथुरा व वृन्दावन में खादर क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित आवासीय कालोनियां डूब जाती हैं। सरकार को इनके बचाव और राहत कार्यों पर करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ते हैं और वहां रहने वालों को भी नुकसान झेलना पड़ता है। पत्र में सांसद ने कहा, कॉलोनाइजर, बिल्डर और भू-माफिया यमुना नदी के खादर में पिछले कुछ साल से लगातार अवैध निर्माण कर रहे हैं। खादर में निर्माण गतिविधियां पूरी तरह से प्रतिबंधित है, लेकिन ये लोग भोली-भाली जनता को सस्ते घरों व प्लाटों का लालच देकर बसाते चले आ रहे हैं।

'विघटनकारी राजनीति' का सहारा ले रहा है विपक्ष : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके नेता संसद में काले कपड़े पहनते हैं और वे देश को काले रंग से पोतना चाहते हैं क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत देश की तरक्की उन्हें खटकती है।

भाजपा प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने विपक्ष को देश की आर्थिक वृद्धि में 'तीसरी सबसे बड़ी बाधा' करार दिया। उन्होंने कहा कि पहली दो बड़ी बाधाएं कोविड-19 का प्रकोप और यूक्रेन युद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आगे बढ़ाने के कई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल 'विघटनकारी राजनीति' कर रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उनके लिए कोई जगह नहीं है।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि वे संसद में जो कुछ भी कर रहे हैं वह सत्ता के लालच के कारण कर रहे है क्योंकि उन्हें लोगों और देश की कोई परवाह नहीं है। विपक्षी सदस्य मणिपुर मुद्दे पर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए बृहस्पतिवार को काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे। विपक्षी दल मणिपुर हिंसा पर चर्चा से पहले प्रधानमंत्री से संसद के दोनों सदनों में बयान देने की मांग कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने अभी तक इस मांग को स्वीकार नहीं किया है। लिहाजा लगातार दूसरे हफ्ते संसद में व्यवधान बना रहा है। भाजपा प्रवक्ता इस्लाम ने यहां भाजपा मुख्यालय में कहा, वे काले कपड़े पहनकर संसद में आ रहे हैं। उनके कारनामे काले हैं और वे देश को काले रंग से पोतना चाहते हैं क्योंकि जब देश की तरक्की होती है तो उन्हें यह खटकती है।

आरपी सिंह ने विश्व कप में सूर्यकुमार को चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करने का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने भारत में खेले जाने वाले आगामी एकदिवसीय विश्व कप में श्रेयस अय्यर की संभावित अनुपस्थिति में बल्लेबाजी में चौथे क्रम पर सूर्यकुमार यादव के इस्तेमाल करने का समर्थन करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इस वैश्विक आयोजन से पहले उन्हें इस क्रम पर पर्याप्त मौके दिए जाने चाहिए।

भारतीय टीम को 2019 विश्व कप में चौथे क्रम पर मजबूत बल्लेबाज के नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ा था। श्रेयस अय्यर

के चोटिल होने के कारण चार साल बाद टीम के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब है। सूर्यकुमार अब तक वनडे क्रिकेट में अपनी टी20 की क्षमता को दोहराने में विफल रहे है। उन्होंने पिछले 16 वनडे मैचों में कोई अर्धशतक नहीं बनाया है। आरपी सिंह ने हालांकि कहा कि सूर्यकुमार के विकल्प को खारिज करना मूर्खतापूर्ण होगा। उन्होंने कहा, श्रेयस (अय्यर) के साथ सूर्यकुमार यादव नंबर चार के लिए एक अच्छा विकल्प हैं, बशर्ते वह फिट हों। लेकिन अगर आप उसे एक विकल्प के रूप में भी देख रहे हैं, तो उसका आने वाले मैचों में इस्तेमाल महत्वपूर्ण होगा। वह निश्चित रूप से एक अच्छा विकल्प है। आरपी सिंह ने जियो सिनेमा द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान कहा, सूर्यकुमार ने अभी तक वनडे क्रिकेट में छाप नहीं छोड़ी है, लेकिन जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और जिस तरह के बल्लेबाज हैं, वह नंबर चार या पांच के लिए अच्छा विकल्प हो सकते हैं। इस पूर्व वामहस्त गेंदबाज ने कहा, प्रमुख टूर्नामेंटों से पहले आपके पास हमेशा विकल्प होने चाहिए।

असम कांग्रेस के अध्यक्ष ने 'लव जिहाद' को भगवान कृष्ण से जोड़ने पर माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने 'लव जिहाद' और भगवान कृष्ण के रुक्मिणी से संबंधों के बीच समानता बताने के लिए शुक्रवार को माफी मांगी। गोलाघाट जिले में सोमवार को 25 वर्षीय एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के कारण अपनी पत्नी और सास-ससुर की हत्या कर दी थी तथा बाद में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसे 'लव जिहाद' का मामला बताया था क्योंकि पति मुस्लिम और पत्नी हिंदू थी। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बोरा ने कहा था, प्यार और जंग में सब कुछ जाए है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कृष्ण का रुक्मणी को भगाकर ले जाने समेत कई कहानियां हैं और मुख्यमंत्री को आज के दौर में विभिन्न धर्मों तथा समुदायों के लोगों के बीच शादियों को लेकर विरोध का राग नहीं अलापना चाहिए। शर्मा ने बोरा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि अगर धार्मिक भावनाओं को आहत करने को लेकर कोई बोरा के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराता है तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बोरा ने अपने बयान की तीखी आलोचना होने के बाद माफी मांगी है।

सुविचार

इस जीवन में रूपये की कीमत कितनी भी गिर जाये, पर कभी इतनी नही गिर सकती, जितना इंसान रूपये के लिए गिर जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्टेपल वीजा अस्वीकार्य

भारत सरकार ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कुछ खिलाड़ियों को स्टेपल वीजा जारी किए जाने को अस्वीकार्य बताते हुए कड़ा विरोध जताकर उचित फैसला लिया है। चीन को ऐसा ही उत्तर मिलना चाहिए। चेंगदू के वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए वुशु खिलाड़ियों की 12 सदस्यीय टीम की यात्रा इसलिए रद्द कर दी गई, क्योंकि समूह में अरुणाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को स्टेपल वीजा दिया गया था। वास्तव में चीन किसी न किसी बहाने यह संदेश देना चाहता है कि वह अरुणाचल प्रदेश के संबंध में बहुत 'गंभीर' है। वह कई वर्षों से इस पर नजरें गड़ाए बैठा है। इस दौरान जब भी मौका मिला, उसने कोई ऐसा शिगूफा छोड़ दिया, जिससे अरुणाचल के साथ चीन भी चर्चा में आए। हालांकि भारत स्पष्ट कर चुका है कि भारतीय नागरिकों के लिए वीजा व्यवस्था में अधिवास या जातीयता के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया, उसकी जांच की, फिर टीम की यात्रा पर रोक लगाने का फैसला लिया। अरुणाचल प्रदेश के निवासी भारत के नागरिक हैं। अगर चीन उनके वीजा मामले में दोहरी नीति अपनाकर किसी तरह के दुष्प्रचार को हवा देना चाहता है तो यह अस्वीकार्य है। ऐसे मामलों को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत होती है और भारत सरकार ने इसे उचित ढंग से लिया है। चीन ओछे हथकंडे अपनाकर हमारे देश की अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है। भारत की स्थिति स्पष्ट है कि वैध भारतीय पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिकों के लिए वीजा व्यवस्था में अधिवास या जातीयता के आधार पर कोई भेदभावपूर्ण व्यवहार नहीं किया जा सकता। भारतीय पासपोर्ट-धारक चाहे ईटानगर का निवासी हो या इंदौर का, इस दृष्टि से समान व्यवहार होना चाहिए। अगर कोई देश इसमें भेदभावपूर्ण व्यवहार करता है तो उसकी नीयत में खोट है, जिसका भारत कड़ा जवाब देने का अधिकार रखता है।

इस साल अप्रैल में जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम के सिलसिले में अरुणाचल प्रदेश के किबिथू गांव गए थे तो उन्होंने 'ड्रैगन' की 'गीदड़ भभकियों' की हवा निकाल दी थी। इससे पहले चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के 'पुनः नामकरण' का हास्यास्पद प्रयास किया था। वह अरुणाचल को दक्षिणी तिब्बत कहकर उस पर अपना अवैध दावा जताता है। जब भी भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या शीर्ष राजनेता अरुणाचल का दौरा करते हैं तो चीन उस पर 'आपत्ति' जताते हुए बयान जारी कर देता है। उसकी यह उद्दंडता वर्षों चली, लेकिन अब भारत की ओर से दिए जाने वाले जवाब में काफी सख्ती आ गई है। यह न समझें कि इस बार भारत ने स्टेपल वीजा मामले में कड़ा विरोध जताया तो चीन भविष्य में ऐसा नहीं करेगा। वह जब भी मौका पाएगा, फिर ऐसा करेगा। यह चीन की 'युद्ध-नीति' का हिस्सा है। इसके तहत प्रतिद्वंद्वी पर मनोवैज्ञानिक रूप से इतना दबाव डाला जाता है कि वह स्वीकार कर ले कि चीन बहुत शक्तिशाली देश है। प्रचार तंत्र का भी सहारा लिया जाता है। एक ही झूठ को बार-बार दोहराया जाता है। इतनी बार कि लोग उसे भ्रमवश सच समझने लगें। आज चीन अरुणाचल प्रदेश के संबंध में यही कर रहा है। वह स्टेपल वीजा जारी कर बताना चाहता है कि यही तरीका 'ठीक' है। वह 'दक्षिण तिब्बत' के बहाने लोगों के दिलो-दिमाग में यह डालना चाहता है कि अरुणाचल का चीन से 'बहुत गहरा' संबंध है! इसके जवाब में क्या करना चाहिए? उचित तरीका यही है कि सख्ती से जवाब दिया जाए। चीन न्याय, नीति, नैतिकता, सहिष्णुता और शांति की भाषा नहीं समझता। वह केवल शक्ति की भाषा समझता है। अगर वह एलएसी पर नियमों का पालन न करे तो भारत को भी उसी प्रकार शक्ति प्रदर्शन करना चाहिए। अगर उसका विदेश मंत्रालय ओछे हथकंडे अपनाए तो भारत को उसकी पोल खोलते हुए दुनिया के सामने असल चेहरा लाना चाहिए। अगर वह अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर आपत्ति जताए तो ऐसे दौरे और भव्य तरीके से करें, वहां विकास परियोजनाओं का और शिलान्यास करें। दीर्घावधि में देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए हमें आर्थिक रूप से चीन से अधिक शक्तिशाली बनना होगा। उद्दंड चीन को शक्ति से ही अनुशासित रखा जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री जी के राज में अब आप तिलक लगाकर स्कूल गए तो हिंसा का शिकार होना पड़ सकता है। 25 जुलाई को चौमा, अलवर के सरकारी स्कूल में एक हिंदू छात्र के तिलक लगाकर आने पर मुस्लिम छात्रों और उनके परिजनों ने मारपीट की।

-सीपी जोशी

वर्तमान समय में पृथ्वी से विभिन्न जीव-जंतुओं की प्रजातियां एवं वनस्पतियां विलुप्त होती जा रही हैं, जिसके चलते पर्यावरण संतुलन पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है। आइए, विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर हम विलुप्त होते जीवों एवं पेड़-पौधों के संरक्षण का संकल्प लें।

-वसुंधरा राजे

आज हमारी माताएं, बहनें व बेटियां धुएं और घुटन से मुक्ति पाकर आर्थिक सुरक्षा के साथ स्वस्थ जीवन जी रही हैं। देश के सबसे सस्ते सिलेंडर दिलाने के हमारे संकल्प की पूर्ति केंद्र व अन्य प्रदेशों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

आशीर्वाद का क्रम

एक बार गांधी जी का भक्त एक अत्यंत धनिक परिवार अपनी बेटी के विवाह के बाद बेटी और दामाद को उनके पास लेकर आए। बेटी की मां एक पुस्तक बापू के हाथ में देते हुए बोली, 'बापू, मेरी बेटी का हाल ही में विवाह हुआ है। मेरी इच्छा है कि आप इस पुस्तक के अंदर अपना आशीर्वाद लिखकर इन दोनों को प्रदान करें। आपका आशीर्वाद पाकर मेरे बेटी और दामाद धन्य हो जाएंगे।' बापू ने महिला से बेटी व दामाद का नाम पूछा। उन्होंने आशीर्वाद लिखने से पहले लड़की का नाम लिखा तो उसकी मां बोली, 'बापू आपने यह क्या किया? पहले तो दामाद का नाम लिखना चाहिए था।' बापू बोले, लड़की का क्यों नहीं?' यह सुनकर मां बोली, 'सदियों से यही रीत चली आई है। गांधी जी बोले, 'तो फिर सदियों पुरानी रीति को छोड़ा भी तो जा सकता है।' महिला के मना करने पर वे बोले, 'बहन प्रार्थना भी सदियों पुरानी परंपरा का एक अंग है। प्रार्थना करते समय हम राम-सीता या कृष्ण-राधा कहते हैं या फिर सीता-राम और राधा-कृष्ण।' महिला बोली, 'जी बापू, हम पहले सीता और राधा का नाम ही लेते हैं।'

सामयिक

कलम को औजार बना लेने वाले प्रेमचन्द

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

मुंशी प्रेमचंद की साहित्यकार, कहानीकार और उपन्यासकार के रूप में चर्चा इसलिये होती है कि उनकी कहानियां-उपन्यास जीवंत, अद्भुत एवं रोमांचकारी हैं, लेकिन एक बड़ा सच यह भी है कि उनके वास्तविक जीवन की घटनाएं उससे भी अधिक विलक्षण, प्रेरक एवं अविस्मरणीय हैं। वे अपनी जिन्दगी की किताब के किरदारों में कहीं अधिक सशक्त, साहसी, आन्दोलनकारी एवं प्रेरणादायी रहे हैं। बनारस के लमही में 31 जुलाई 1880 को पैदा हुए इस महान लेखक-कहानीकार-पत्रकार ने अपनी रचनाओं के लिए ब्रिटिश हुकूमत की सजा भी भोगी, लेकिन पीछे नहीं हटे, अपना नाम भी बदला। उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी उन्होंने की। आजादी की लड़ाई में उनका योगदान भी कम नहीं था। लेकिन इन विविध भूमिकाओं एवं विलक्षण अदाओं के बावजूद ऐसा ही लगता है कि वे कहानियां सुनाने ही धरती पर आए थे। आज जब हम बहुत ठहर कर बहुत संजीदगी के साथ उनका लेखन देखते हैं तो अनायास ही हमें महसूस होता है कि वे अपने आप में कितना विराट संसार समेटे हुए हैं।

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की रचनाएँ अद्भुत और कालजयी हैं, उन जैसे संसार में विरले ही हुए जिन्होंने सृजन को इतनी उत्कट बेचैनी लेकर जीवन जिया। उनके शब्दों में जादू था और जीवन इतना विराट कि देश-काल की सीमाएं समेट नहीं पाईं उनके वैराट्य को। उन्होंने हिन्दी कथा-साहित्य के क्षेत्र में कथ्य और शिल्प दोनों में आमूलचूल बदलाव किया। लेखन की एक सर्वथा मौलिक किन्तु सशक्त धारा जिनसे जन्मी, वे हैं मुंशी प्रेमचन्द। इतिहास और साहित्य में ऐसी प्रतिभाएं कभी-कभी ही जन्म लेती हैं। वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास, तुलसीदास, कबीर और इसी परम्परा में आते हैं प्रेमचन्द। जिनसे भारतीय साहित्य का एक नया और अविस्मरणीय दौर शुरु हुआ था। जिनके सृजन एवं साहित्य की गूंज भविष्य में युग-युगों तक देश और दुनिया में सुनाई देती रहेगी। आज मुंशी प्रेमचंद की तुलना दुनिया के चोटी के साहित्यकार मोरित्ज, गोर्की, तुर्गनेव, चेखब और टॉल्स्टोय आदि के साथ करते हुए हमें उन पर गर्व होता है।

मुंशी प्रेमचंद ने अपने 36 वर्षों के साहित्यिक जीवन में करीब तीन सौ कहानियाँ, एक दर्जन उपन्यास, चार नाटक और अनेक निबन्धों के साथ विश्व के महान साहित्यकारों की कुछ कृतियों का हिन्दी में अनुवाद भी किया और उनकी यह साहित्य-साधना निश्चय ही उन्हें आज भी अमरता के शीर्ष-बिन्दु पर बैठाकर उनकी प्रशस्ति का गीत गाते हुए उन्हें उपन्यास सम्राट' और कालजयी कहानीकार की उपाधि से विभूषित कर रही है। उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर ही बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें उपन्यास सम्राट' से संबोधित किया। मुंशी प्रेमचंद सही मायने में आज भी सच्ची भारतीयता की पहचान हैं। उनका कहना था कि साहित्यकार देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई नहीं अपितु उसके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है। यह बात उनके साहित्य में उजागर हुई है। उन्होंने कुछ महीने तक मर्यादा पत्रिका का संपादन किया और फिर लगभग छह साल तक माधुरी पत्रिका का संपादन किया। 1932 में उन्होंने अपनी मासिक पत्र हंस शुरू की। 1932 में जागरण नामक एक और साप्ताहिक पत्र निकाला। गोदान उनकी कालजयी रचना है।

वह अनूठा एवं आन्दोलनकारी दौर में जब राष्ट्रीय राजनीतिक क्षितिज पर महात्मा गांधी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को सविनय अवज्ञा, भूख हड़ताल और असहयोग जैसे सर्वथा नये औजारों से लैश कर रहे थे। काशी में भी प्रेमचंद-जयशंकर प्रसाद और आचार्य रामचंद्र शुक्ल की त्रयी पुराने जीर्ण शीर्ण मूल्यों की जगह नये मूल्यों-संस्कारों से साहित्य के आंगन को सजा-संवार रहे थे। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में प्रेमचन्द की कहानियों की विशेषताओं की लम्बी चर्चा करते हुए आधुनिक सन्दर्भों में उन्हें जीवंत कर दिया। उनकी लगभग सभी रचनाओं का हिंदी, अंग्रेजी में रूपांतर किया गया और चीनी, रूसी आदि विदेशी भाषाओं में कहानियां प्रकाशित हुईं। मरणोपरांत उनकी कहानियों का संग्रह मानसरोवर आठ खंडों में प्रकाशित हुआ। मुंशी प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं में सामाजिक कुरीतियों का डटकर विरोध किया है। मुंशी प्रेमचंद जनजीवन और मानव प्रकृति के पारखी थे। बाद में उनके सम्मान में डाक टिकट भी निकाला गया। उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। गोरखपुर में प्रेमचंद साहित्य संस्थान की स्थापना की गयी जहां भित्तिलेख हैं व उनकी प्रतिमा भी स्थापित है।

प्रेमचन्द का जीवन अनेक संघर्षपूर्ण घटनाओं का समवाय रहा है, उन्होंने 1923 में बनारस में 'सरस्वती प्रेस' की स्थापना की। सरस्वती प्रेस घाटे में चलने लगी। इसी बीच वह माधुरी के भी सम्पादक बने। प्रेमचन्द भारतीयता एवं राष्ट्रीयता के लेखक थे और उनके साहित्य की प्रमुख धाराएं भारतीय संस्कृति, राष्ट्र-भाव, सामाजिक जाग्रति, लघु मानव का उत्कर्ष, समरसता एवं कल्याण, भेदरहित संतुलित समाज की रचना, रूढ़ि-मुक्ति, नैतिक एवं चारित्रिक मूल्यों की स्थापना एवं आदर्श जीवनशैली की रचना थी। प्रेमचन्द को 'आदर्शोन्मुख यथार्थवाद' से ही समझा जा सकता है, न कि केवल यथार्थवाद से। उनके साहित्य की आत्मा है- मंगल भवन अमंगल हारी।' इस दृष्टि से तुलसीदासजी एवं प्रेमचन्द एक ही राह के पथिक हैं और यही कारण है कि प्रेमचन्द को तुलसीदास के ही समान लोकमानस में प्रतिष्ठा एवं अमरत्व प्राप्त है। गांधी ने जब स्वराज्य आन्दोलन की एक नई राजनीतिक चेतना उत्पन्न की तो प्रेमचन्द इस नई सांस्कृतिक-राजनीतिक चेतना के सबसे सशक्त कथाकार के रूप में उभरकर सामने आये। लगभग चौदह वर्षों तक केवल उर्दू में लिखने के बाद उन्होंने जब हिन्दी की ओर

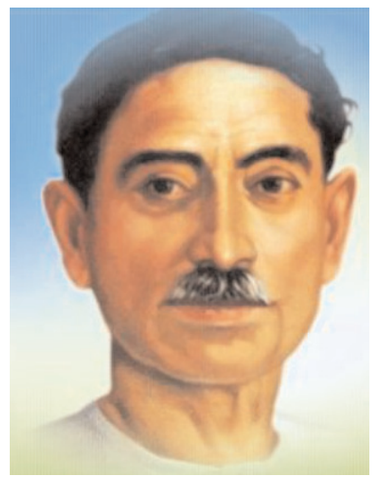

अपना पहला कदम रखा, तभी हिन्दी साहित्य जगत ने अनुभव किया गया कि हिन्दी कथा-उपन्यास साहित्य के क्षेत्र में एक युगांतरकारी परिवर्तन आ गया है। इस साहित्यिक क्रांति का यह आश्चर्यजनक पहलू था कि यह ऐसे लेखक की कलम से उपजी थी, जो उर्दू से हिन्दी में आया था। गांधी को अपना आदर्श मानने वाले प्रेमचन्द ने आत्मकथ्य में इस बात को स्वीकारा है कि महात्मा गांधी के दर्शन का यह प्रताप था कि मुझ जैसा मरा हुआ आदमी भी चेत उठा। उसके दो-चार दिन बाद मैंने बीस वर्ष पुरानी नौकरी छोड़ दी। मैं दुनिया में महात्मा गांधी को सबसे बड़ा मानता हूं। उनका भी उद्देश्य यही है कि मजदूर और काश्तकार किसान सुखी रहें। वह इन लोगों को आगे बढने के लिए आंदोलन करते हैं। मैं लिखकर उनको उत्साह दे रहा हूं। उनका कर्मभूमि' उपन्यास गांधी के अहिंसा और सत्याग्रहमूलक आंदोलन का लेखा-जोखा है। प्रेमचंद की तीन दर्जन कहानियों में गांधीवाद की प्रेरणा है। अपने सात उपन्यासों में प्रेमचंद ने गांधी विचार को कहीं न कहीं स्थान दिया है। भारतीय हिन्दी साहित्य को दुनिया के हर कोने तक पहुंचाने वाले प्रेमचंद कभी अतीतजीवी नहीं हो सकते। वह तो हमेशा हम पाठकों के लिए 'वर्तमान' रहेंगे।

विश्लेषण

राजस्थान में बिना सीएम फेस के चुनाव, सर्वे में भाजपा आगे

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

राजस्थान विधानसभा के चुनाव जैसे-जैसे नज़दीक आते जा रहे है वैसे वैसे सियासत में नए नए धमाके देखने को मिल रहे है। प्रदेश की सियासत में अभी लाल डायरी की गूँज सुनाई दे रही है। कांग्रेस और बीजेपी इस चुनाव में बिना किसी सीएम चेहरे के मैदान में उतरने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी के साथ इस बात पर मंथन हो रहा है की दोनों मुख्य पार्टियां बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़कर कैसे सफलता हासिल करेगी। इसी बीच एबीपी सी वोटर्स के एक सर्वे ने राज्य में भाजपा की जीत की भविष्यवाणी कर दी है। सर्वे में भाजपा को 109-119 और कांग्रेस को 78-88 सीटें आने का अनुमान व्यक्त किया है। सट्टा बाजार का आकलन भी भाजपा की जीत की संभावनाएं व्यक्त कर रहा है। सर्वे में अशोक गहलोत को सबसे लोकप्रिय सीएम बताने के साथ भाजपा में वसुंधरा राजे को नंबर वन बताया गया है। बीजेपी और कांग्रेस ने अभी तक किसी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं किया है। हाल ही एबीपी न्यूज और सी वोटर ने अपने सर्वे में इसको लेकर लोगों से सवाल पूछा। लोगों से यह पूछा गया कि क्या राजस्थान विधानसभा के चुनाव में बीजेपी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा प्रोजेक्ट करना चाहिए ? इस सवाल के जवाब बड़े दिलचस्प मिले। सर्वे में शामिल 60 फीसदी लोगों की राय थी कि इस चुनाव में बीजेपी को सीएम पद का चेहरा प्रोजेक्ट करना चाहिए। इस पर 28 फीसदी लोगों ने राय दी कि नहीं बीजेपी को सीएम पद पर किसी चेहरे को प्रोजेक्ट नहीं करना चाहिए। जबकि 12 फीसदी लोगों ने पता नहीं के रूप में जवाब दिया।

राजस्थान में पिछले कई चुनावों से ऐसा देखा गया है कि एक बार कांग्रेस की सरकार आती है तो दूसरी बार बीजेपी की सरकार। इस बार जहां बीजेपी इस परंपरा को बनाए रखना चाहती है, वहीं कांग्रेस कोशिश कर रही है कि यह परंपरा टूटे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सहित बीजेपी के केंद्रीय नेताओं ने राजस्थान के दौरे तेज कर दिए हैं। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह राजस्थान का कई दौरा कर चुके हैं। इसी बीच केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल को बीजेपी ने चुनाव प्रभारी बनाया है। वहीं राज्य में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार रिपीट करवाने के लिए खजाने का मुंह खोल दिया है। नित्य प्रति बड़े बड़े विज्ञापनों के साथ मुफ्त की योजनाएं लांच की जारही है। कांग्रेस सरकार अपनी कल्याणकारी योजनाओं के दम पर फिर सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। अब यह समय ही बताएगा कि बीजेपी और कांग्रेस अपनी कोशिशों में कितनी सफल होती हैं।

राजस्थान में मुख्य संघर्ष कांग्रेस और भाजपा के बीच है। यहाँ के चुनावी जंग में तीसरी पार्टी का कोई वजूद दिखाई नहीं देता। दोनों ही पार्टियां बिना सीएम चेहरे के चुनावी मैदान में उतरने का मानस बना चुकी है। कांग्रेस में गहलोत बनाम पायलेट का संघर्ष अभी विराम की स्थिति में है। कांग्रेस आलाकमान चाहती है बिना किसी नेता को आगे किये चुनाव लड़ा जाये। यही स्थिति भाजपा की है। भाजपा राजस्थान का चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ने जा रही है। यहाँ एक दर्ज़न नेता सीएम पद के उम्मीदवार है। इनमें पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सहित नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह, अर्जुन मेघवाल, सांसद किरोड़ी मीणा और जयपुर राजघराने की दिव्या कुमारी मुख्य है।

दोनों पार्टियां इस गुणा भाग में लगी है की बिना सीएम चेहरे के लड़ने पर पार्टी के जीतने की कितनी सम्भावना है। इस सवाल पर दोनों पार्टियां अंदरूनी अंतर्द्वंद में फंसी है। किसी एक को सीएम फेस घोषित करने पर प्रतिद्वंदी द्वारा प्रतिघात करने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

चिंतन

पुरुष समाज की ज्यादतियां सिर्फ स्त्रियों पर ही क्यों?

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

मणिपुर की महिलाओं पर शर्मनाक और अमानवीय पुरुष समाज की हरकतों से पूरा समाज और पूरा देश लज्जित हुआ है। छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बूढ़ी महिलाओं तक शारीरिक, सामाजिक शोषण देश के लिए एक काला अध्याय है। हम अपने पशुओं के व्यवहार के कारण लज्जित तो हुए ही पर उसके पश्चात कोई पछतावा दिखाई नहीं देता है। देश के कोने-कोने से महिलाओं को अपमानित करने की घटनाएं रोज हो रही हैं क्या हमारे नैतिक मूल्य और आस्थाएं अब पूर्ण रूप से स्खलित हो चुकी है नैतिक मूल्यों का क्षरण अचानक तेज होता जा रहा है। धन तथा पद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैं। भारतीय समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री ही हर ज्यादती और अत्याचार की शिकार होती रहे।

प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही है। शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय समाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है। भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है। वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित

कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

गांधीनगर में शुक्रवार को सेमीकॉन इंडिया 2023 के उद्घाटन के अवसर पर एकत्रित हुए लोग।

आईफोन खरीदने के लिए दंपति ने आठ महीने के पुत्र को बेचा

यह मामला उस वक्त सामने आया जब स्थानीय लोगों ने हफ्तों तक दंपति के पास बच्चे को नहीं देखा और उन्हें शक हुआ। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। अधिकारी ने कहा, 'हमने बच्चे की मां को गिरफ्तार कर लिया है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में एक दंपति ने रील बनाने के लिए आईफोन खरीदने के वास्ते अपने आठ महीने के बेटे को कथित तौर पर बेच दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना कोलकाता के करीब पानीहाटी के गंगानगर इलाके की है। जिसमें मां को गिरफ्तार कर लिया गया है और फरार चल रहे पिता की तलाश जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह मामला उस वक्त सामने आया जब स्थानीय लोगों ने हफ्तों तक दंपति के पास बच्चे को नहीं देखा और उन्हें शक हुआ। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। अधिकारी ने कहा, 'हमने बच्चे की मां को गिरफ्तार कर लिया है और मामला दर्ज होने के बाद से फरार चल रहे पिता की तलाश की जा रही है। दंपति ने बच्चे को बेचकर रील बनाने के लिए आईफोन 14 खरीदा था।'

छोटे वीडियो को रील कहा जाता है जिन्हें सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया जाता है। उन्होंने कहा, मां ने स्वीकार किया है कि उन्होंने बच्चे को बेचकर आए पैसों से दीघा और मंदारमोनी की यात्रा की है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना एक महीने पूर्व हुई है जिसकी सूचना पुलिस को 24 जुलाई को दी गई। उन्होंने बताया कि बच्चे को खरीदने वाली दंपति की भी तलाश की जा रही है और उनके खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा क्योंकि बच्चे की खरीद-फरोख्त गैरकानूनी है।

गोपनीय दस्तावेजों पर कब्जा जमाने के मामले में ट्रंप पर अतिरिक्त आरोप लगाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संघीय अभियोजकों ने 27 जुलाई, 2023 को एक बार फिर अभ्यारोपित किया। बहुत से लोग अनुमान लगा रहे थे कि इस अभियोग का संबंध छह जनवरी, 2021 को की गई ट्रंप की उस कार्रवाई से है जिसके तहत उनके समर्थकों के एक समूह ने डेमोक्रेट नेता जो बाइडन के चुनाव को प्रमाणित किये जाने की प्रक्रिया को बाधित करने के प्रयास में राष्ट्रपति परिसर 'कैपिटल' पर हिंसक तरीके से धावा बोल दिया था। लेकिन ऐसा नहीं था, नया अभियोग उस मामले में और आरोपों को जोड़ने के लिए है जिसका सामना पद छोड़ने के बाद राष्ट्रपति कार्यालय से संबंधित दस्तावेजों को अवैध रूप से साझा करने, उन्हें अपने कब्जे में रखने और उन्हें वापस करने से इनकार करने के कारण ट्रंप पहले से कर रहे हैं।

नये अभियोग को 'सीएनएन' पर मैनहट्टन के पूर्व अभियोजक कारेन एगानिफिलो ने 'ब्लॉकबस्टर' करार दिया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि ट्रंप ने मार-ए-लागो क्लब पर लगे सुरक्षा कैमरा के फुटेज को हटवाने कका प्रयास किया ताकि एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) और 'ग्रांड ज्यूरी' से जानकारी को छिपाया जा सके। आरोप है कि ट्रंप ने क्लब के रखरखाव कर्मियों को फुटेज को हटाने के लिए कहा। अभियोग में कार्लोस डी ओलिवेरा नाम के उस कार्यकर्ता पर अब नये अभियोग में बाधा डालने का आरोप है।

अकादमिक जगत में उतरने से पहले सदर्न कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के विद्वान जेफरी फील्ड्स ने कई वर्षों तक राज्य विभाग और रक्षा विभाग, दोनों में एक विश्लेषक के रूप में काम किया। फील्ड्स बताते हैं कि वर्गीकृत (गोपनीय) जानकारी उस प्रकार की सामग्री है जिसे अमेरिकी सरकार या कोई एजेंसी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इतना संवेदनशील मानती है कि उस तक पहुंच को नियंत्रित और प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। वह लिखते हैं, ''गोपनीयता को कई स्तर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। परमाणु हथियारों से संबंधित दस्तावेजों में निहित जानकारी की संवेदनशीलता के आधार पर उसकी गोपनीयता का स्तर बिल्कुल अलग होगा।''

दस्तावेज का मामला जासूसी अधिनियम के प्रावधानों पर आधारित है जो अपने नाम के विपरीत केवल जासूसी के बजाय अन्य बहुत प्रकार के अपराधों को कवर करता है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की शिक्षा देने वाले शिकागो स्थित लोयोला विश्वविद्यालय के थॉमस ए डर्किन और जोसेफ फर्ग्यूसन ने लिखा, ''अधिनियम का एक हिस्सा...इसका संबंध विदेशी सरकार के लिए जासूसी से है जिसके लिए अधिकतम सजा उम्रकैद है।'' ट्रंप की जांच के संदर्भ में उन्होंने लिखा कि, '' यह अधिनियम चुनिंदा संवदेनशील सरकारी सूचनाओं को अनधिकृत रूप से एकत्र करने, उनको अपने पास रखने या इस जानकारी को दूसरों को देने के मामले में लागू होता है।'' जासूसी अधिनियम के उल्लंघन के लिए यह जरूरी नहीं है कि किसी विदेशी सरकार की मदद करने की मंशा रही हो। उन्होंने लिखा, ''हाल में डेमोक्रेटिक प्रशासन के दो वरिष्ठ अधिकारियों - क्लिंटन प्रशासन के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सैंडी बर्गर और ओबामा प्रशासन के दौरान सीआईए निदेशक डेविड पेट्रियस, दोनों को जासूसी अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया।'

महाराष्ट्र पर्यटन के यात्रा और व्यापार रोड शो को बेंगलूरु से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। असाधारण अवसर प्रदान करने, संभावित ग्राहकों से विचार जानने और यात्रा व्यापार को जोड़कर बाजार की संभावनाओं का पता लगाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र पर्यटन ने अपने भागीदारों के साथ मिलकर विभिन्न व्यापार मेलों में भाग लेने के अलावा देशभर में 8-शहर रोड शो टूर शुरू किया है।

ये व्यापार मेले एक राज्य के रूप में महाराष्ट्र द्वारा प्रस्तुत विशाल यात्रा और पर्यटन परिदृश्य को दर्शाने के लिए वन-स्टॉप शॉप हैं। अपनी ऐतिहासिक विरासत, समुद्र तटों, धार्मिक स्मारकों, हिल स्टेशनों, वन्य जीवन, साहसिक खेलों, विदेशी व्यंजनों, सांस्कृतिक त्योहारों, परिवहन कनेक्टिविटी को समेटे हुए महाराष्ट्र को सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है।

पिछले साल आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया मिलने के बाद महाराष्ट्र पर्यटन ने इस साल बेंगलूरु में अपना रोड शो आयोजित किया। यह कार्यक्रम 27 जुलाई को फेयरफील्ड बाय मैरियट में हुआ, जिसमें शहर की टूर और ट्रैवल बिरादरी की प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया था। पिछले कुछ वर्षों में, भारत के दक्षिण से यात्रा और पर्यटन में वृद्धि हुई है। यह देखा गया है कि नागरिक महाराष्ट्र में अष्टविनायक, ज्योतिर्लिंग, पंढरपुर, कोल्हापुर जैसे तीर्थ स्थानों की यात्रा करना और घूमना पसंद करते हैं। चूंकि उनकी यात्रा संबंधी आदतों का रुझान आध्यात्मिक स्थलों की ओर है। यह महाराष्ट्र पर्यटन के लिए उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने का शानदार अवसर है। महाराष्ट्र राज्य पर्यटन द्वारा प्रदान किए जाने वाले गंतव्य दक्षिण भारत के लोगों की यात्रा आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव (पर्यटन) राधिका रस्तोगी ने कहा, 'पिछले साल हमारे रोड शो से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने के बाद, हम इस साल भी नए बाजारों के लिए एक रोड शो शृंखला आयोजित करने और अप्रयुक्त अवसरों का पता लगाने के लिए उत्साहित हैं। हमारा मकसद पर्यटन और अंतर-राज्यीय यात्रा को बढ़ावा देना है। हम बेंगलूरु में अपने रोड शो के लिए इतनी अच्छी प्रतिक्रिया पाकर खुश हैं।' उन्होंने कहा, एक राज्य के रूप में महाराष्ट्र विभिन्न पहलुओं के कारण यात्रा और पर्यटन के अवसरों से समृद्ध है। कोविड के बाद, पर्यटन उद्योग पुनर्जीवित हो रहा है और महाराष्ट्र में ट्रैवल कंपनियों में बुकिंग के रुझान में तेजी देखी जा रही है। हमें यकीन है कि देश में हमारे सभी आगामी रोड शो को नागरिकों से शानदार प्रतिक्रिया मिलेगी।'

फिल्म 'कैनेडी' आईएफएफएम की समापन फिल्म के रूप में प्रदर्शित होगी

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी 'भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' (आईएफएफएम) 2023 के अंतिम दिन समापन फिल्म के रूप में प्रदर्शित की जाएगी। आयोजकों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आयोजकों ने एक बयान में कहा कि कश्यप तथा फिल्म के मुख्य कलाकार राहुल भट्ट और सनी लियोनी 20 अगस्त को फिल्मोत्सव के अंतिम दिन फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में दोनों कलाकार फिल्म में अपनी भूमिकाओं के बारे में अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। फिल्म निर्माता ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि 'कैनेडी' मेलबर्न में आयोजित होने वाले आईएफएफएम में समापन फिल्म के रूप में प्रदर्शित होगी। आईएफएफएम को लेकर मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए उत्साहित हूं। मैं इस कार्यक्रम में भाग लेने और लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए वहां मौजूद रहूंगा और मुझे भरोसा है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। इससे पहले 'कान फिल्म महोत्सव' में फिल्म का 'वर्ल्ड प्रीमियर' हुआ था। 'कैनेडी' को प्रतिष्ठित फिल्म समारोह के मिडनाइट स्क्रीनिंग सेक्शन के तहत प्रदर्शित किया गया था।

आईएफएफएम के संस्थापक और महोत्सव निदेशक मितु भौमिक लांगे ने सिनेमा के क्षेत्र में कश्यप के शानदार काम के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, 'कैनेडी' कोई अपवाद नहीं है। यह एक शक्तिशाली फिल्म है जो दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखती है। हमें अपनी समापन रात्रि की फिल्म के रूप में 'कैनेडी' के प्रदर्शन पर गर्व है और हम महोत्सव में अनुराग कश्यप और प्रतिभाशाली कलाकारों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

फिल्म 'कैप्टन मिलर' का टीजर रिलीज

मुंबई/भाषा

फिल्म 'कैप्टन मिलर' की टीम ने शुक्रवार को, इसके अभिनेता धनुष के 40वें जन्मदिन के अवसर पर फिल्म का टीज़र जारी किया। यह तमिल फिल्म 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। अरुण माथेश्वरन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण सत्य ज्योति फिल्म्स ने किया है। स्टूडियो ने आधिकारिक टीज़र अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया। सत्य ज्योति फिल्म्स ने अपने ट्वीट में लिखा 'सम्मान ही स्वतंत्रता है, यह बहुप्रतीक्षित कैप्टन मिलर का टीजर है। फिल्म 15 दिसंबर 2023 को थिएटर में रिलीज होगी।'

दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके अभिनेता धनुष ने भी अपने ट्विटर पर टीज़र साझा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा '''कैप्टन मिलर' का टीज़र।'' 'कैप्टन मिलर' एक पीरियड एक्शन एडवेंचर फिल्म है जिसमें धनुष मिलर उर्फ ङ्कङ्कएनालीसन की मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में शिवा राजकुमार, संदीप किशन, प्रियंका अरुल मोहन, जॉन कोक्केन और 'आरआरआर' से चर्चित हुए एडवर्ड सोनेनब्लिक आदि कलाकार भी शामिल हैं। धनुष ने पिछले साल फिल्म निर्माता एंथनी और जो रूसो द्वारा निर्देशित फिल्म 'द ग्रे मैन' से हॉलीवुड में कदम रखा था। भारत में उनकी बड़े स्क्रीन पर रिलीज़ हुई पिछली तमिल फिल्म 'वाथी' थी। 'कैप्टन मिलर' के अलावा धनुष हिंदी फिल्म 'तेरे इश्क में' में नज़र आएंगे। इस फिल्म के निर्माता आनंद एल राय हैं।

फिल्म 'तू तू मैं मैं' का गाना 'गोर चाहे करिया' रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार रितेश पांडे और क्यूट गर्ल मधु शर्मा की आने वाली फिल्म तू तू मैं मैं का गाना गोर चाहे करिया रिलीज हो गया है। 'गोर चाहे करिया' गाना म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है।इस गाने में रितेश पांडे, मधु शर्मा रोमांटिक मूड में नजर आ रहे हैं।इस गीत को सुमित सिंह चंद्रवंशी ने लिखा है, जबकि संगीत छोटे बाबा ने तैयार किया है। जिओ स्टूडियो प्रस्तुत भोजपुरी फ़िल्म 'तू तू मैं मैं' के निर्माता ज्योति देशपांडे, समीर आफताब, अविनाश रोहरा और वेंकट महेश हैं। निर्देशक प्रवीण कुमार गुडुरी हैं। इस फिल्म के स्टार कास्ट में रितेश पांडे, मधु शर्मा, यामिनी सिंह, विक्रांत सिंह, अवधेश मिश्रा, देव सिंह, प्रकाश जैस, केके गोस्वामी, महेश आचार्य आदि हैं। इस फिल्म के सिंगर छोटे बाबा, रितेश पांडे, अलका झा, दीपू द्विवेदी, अमृता दीक्षित, खुशबू जैन हैं। संगीतकार छोटे बाबा, गीतकार अरबिंद तिवारी, सुमित सिंह चंद्रवंशी, छोटू यादव हैं। इस फिल्म का म्यूजिक राईट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

पर्यटक

नई दिल्ली में शुक्रवार को मानसून सत्र के दौरान संसद भवन में दरवाड गुजरात से आए पर्यटक।

आज फिल्म 'सुंदरी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

एस. आर. वी. फॉरेक्स प्रा.लि. प्रस्तुत एवं एस. आर. वी. प्रोडक्शन हाउस कृत भोजपुरी फिल्म 'सुंदरी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 29 जुलाई को होगा। सुंदरी का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर टीवी चैनल भोजपुरी सिनेमा और डिजिटल एप दंगल एप पर होगा। प्रीमियर 29 जुलाई शनिवार को शाम 7 बजे से होगा । फिल्म सुंदरी के निर्माता महेश उपाध्याय ने बताया कि यह फिल्म शानदार बनी है। डर के साथ मनोरंजन का रोमांच इसमें देखने को मिलेगा। इसलिए अभी से तैयार हो जाइए, शनिवार की शाम फिल्म देखने को। आकाश यादव और भोजपुरी की ड्रीम गर्ल शुभी शर्मा की रोमांटिक जोड़ी ऑडियंस का खूब एंटरटेनमेंट करने वाली है। भोजपुरी जगत की अब तक की सबसे बड़ी हॉरर कॉमेडी भोजपुरी फिल्म 'सुंदरी' में जय यादव और आकाश यादव दो हीरो हैं। इस फ़िल्म की हीरोइन शुभी शर्मा और यामिनी सिंह हैं। इस फिल्म में बहुत बड़े पैमाने पर वीएफएक्स का काम किया गया है। भोजपुरी फिल्म सुंदरी की पूरी शूटिंग उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में की गई है। उन्होंने कहा कि दर्शक अब इस फिल्म का आनंद अपने टीवी पर या दंगल एप पर भी ले सकेंगे, जब इसका प्रीमियर कल यानी शनिवार को शाम 7 बजे से होगा।

गौरतलब है कि भोजपुरी फिल्म 'सुंदरी' के निर्माता महेश उपाध्याय हैं। निर्देशक प्रवीण कुमार गुडूरी हैं। को-प्रोड्यूसर जया भट्टाचार्य (बी.के. फिल्म), पूनम यादव हैं। छायांकन माही सेरला ने किया है। कथा, पटकथा व संवाद सभा वर्मा ने लिखा है। संगीतकार विष्णु मिश्रा, गीतकार सभा वर्मा, शेखर मधुर एवं शशिधर मिश्रा हैं।

मारवाड़ प्रदीप खड़का, संकलन मनन कुमार, नृत्य सुदाम मिंज, सोनू सिंह, कला मिलिंद सिंह का है। कार्यकारी निर्माता मनोज पाण्डेय हैं। इस फिल्म में मुख्य कलाकार जय यादव, आकाश यादव, शुभी शर्मा, यामिनी सिंह, युगांत पांडेय, बबलू खान, ललित उपाध्याय, देवेंद्र रमन पाठक, उमाकांत राय, सोनिया मिश्रा, पल्लवी सिंह, वीरेंद्र झा, आनंद गिरी, कविता राज सिंह, शिव सिंह, अशोक गुप्ता, सुजीत सार्थक, मयंक कौशल आदि हैं।

राजवीर और पलोमा की 'दोनों' का नया पोस्टर रिलीज

नई दिल्ली/एजेन्सी

सनी देओल का छोटा बेटा राजवीर देओल और पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म का नाम 'दोनों' है। मेकर्स ने एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें दोनों एक्टर्स की केमिस्ट्री नजर आ रही है। फिल्म 'दोनों' दिग्गज निर्देशक सूरज आर बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या की निर्देशन की पहली फिल्म है। मेघना के रूप में पलोमा की पुरानी दुनिया की सुंदरता और स्वभाव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि देव के रूप में राजवीर ने अपनी मनमोहक स्क्रीन उपस्थिति दर्ज कराई। नए पोस्टर में, दोनों की बेहद सहज केमिस्ट्री नजर आ रही हैं। दोनों हसंते हुए दिखाई जे रहे हैं। राजवीर देव के किरदार में पूरी तरह से डूबे हुए हैं। उन्होंने बेज कलर की पैंट के साथ ब्लू शर्ट पहनी हुई है। वहीं मेघना बनीं पलोमा ने बैलून स्लीव्स वाली रेड ड्रेस पहनी हुई है और एक हाथ में कई कंगन पहने हुए हैं।

उन्होंने अपने बालों को वेवी स्टाइल में खुला रखा है। लुक को न्यूड पिंक आईशैडो, न्यूड पिंक लिप्स और थिक्क आइब्रो के साथ पूरा किया गया। वह शरमा रही है, उनका एक हाथ देव के पैर पर रखा हुआ है। यह कहानी दो अजनबियों के बीच मासूमियत और रोमांस के बारे में है, जिनकी मंजिल एक है। पहले जारी किए गए टीजर के मुताबिक, राजवीर और पलोमा की पहली मुलाकात एक शादी में होती है। देव (राजवीर) जहां दूल्हे के दोस्त होते हैं वहीं मेघना (पालोमा) लड़कीवालों की तरफ से होती हैं। दोनों की मुलाकात प्यार में बदल जाती है। राजश्री प्रोडक्शंस, अपनी विरासत के 75वें वर्ष में, अपनी चौथी पीढ़ी द्वारा निर्देशित एक फिल्म प्रस्तुत कर रहा है।

प्रोडक्शन हाउस की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित 'मैंने प्यार किया' है। इसमें सलमान खान और भाग्यश्री ने अभिनय किया था। इस फिल्म को अब तक की सबसे प्रतिष्ठित रोमांटिक फिल्मों में से एक माना जाता है। यह अपने साउंडट्रैक, सलमान और भाग्यश्री के बीच की केमिस्ट्री के कारण लोगों की पसंदीदा बन गई। अपनी 59वीं फिल्म प्रोडक्शन 'दोनों' के लिए राजश्री ने जियो स्टूडियोज के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म कमल कुमार बड़जात्या, स्वर्गीय राजकुमार बड़जात्या और अजीत कुमार बड़जात्या द्वारा निर्मित है। क्रिएटिव प्रोड्यूसर सूरज बड़जात्या हैं। 'दोनों' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 29-07-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस ग्रीन सभागार में शुक्रवार से पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा के दशवें स्कन्ध का कथा वाचन शुरु हुआ। इस तीन दिवसीय कथा में विद्वान आचार्यश्री वेदानंदजी शास्त्री 'आनंद' अपने मुखारबिन्द से भागवत कथा के दसवें स्कंध का महत्त्व बताते हुए कहा कि पुरुषोत्तम मास में फिर उस पर श्रावण मास में भागवत कथा कराने से पांच गुणा लाभ मिलता है।

एकल युवा का 'एक शाम बालाजी के नाम' कार्यक्रम 3 सितम्बर को

तैयारियों को लेकर बैठकों का दौर शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वनबधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर की युवा विंग ने पिछले वर्ष के आयोजन की सफलता के बाद एक बार फिर से 'एक शाम बालाजी के नाम 2.0' का आयोजन 3 सितंबर को पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन सभागार में करने का निर्णय लिया है। युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल ने बताया कि इस बार के बालाजी महोत्सव में राजस्थान के भजन गायक छोटूसिंह रावणा एवं समस्तीपुर की भजन गायिका रेशमी शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे। अग्रवाल ने बताया कि इस बार विशेष आकर्षण के रूप में दिल्ली में छेदीलाल प्रजापति 'उड़ते हुए हनुमान की झांकी' सजाकर कार्यक्रम को भव्य बनाएंगे। 3 सितम्बर को शाम 5 बजे से शुरु होने वाले इस कार्यक्रम में राम दरबार, सालासर बालाजी एवं खाटू श्याम का विशेष दरबार सजाया जाएगा तथा 56 भोग अर्पण किए जाएंगे।

युवा सचिव पवन राजलीवाल ने बताया कि सुरेश पारीक की उपस्थिति में युवा विंग के अमित सिंह, गौरव अग्रवाल एवं दीपिका जैन को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। साथ ही महोत्सव की तैयारी में साकेत गर्ग, अशीष गुप्ता, विकास गुप्ता, गणपत माली, प्रवीण गहलोत, उत्तम बागरेचा, गौरव शर्मा, अंकुर जैन, एकता अनंत, मितेश खंडेलवाल, श्रीधर चक्कड़ी सहित अनेक युवा जुट गए हैं।

'भगवान स्वयं भागवत कथा को प्रणाम करते हैं'

पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस ग्रीन सभागार में भागवत कथा प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस ग्रीन सभागार में शुक्रवार से पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रीमदभागवत कथा के दशवें स्कन्ध का कथा वाचन शुरु हुआ। इस तीन दिवसीय कथा में विद्वान आचार्यश्री वेदानंदजी शास्त्री 'आनंद' अपने मुखारबिन्द से भागवत कथा के दसवें स्कंध का महत्त्व बताते हुए कहा कि पुरुषोत्तम मास में फिर उस पर श्रावण मास में भागवत कथा कराने से पांच गुणा लाभ मिलता है। भागवत कथा के श्रवण से मानव की एक नहीं अपितु 21 पीढ़ियों का कल्याण होता है। उन्होंने संगीतमय ढंग प्रभु स्तुति करते हुए कथा वाचक ने कहा कि संसार में दुख से अच्छा सुख है और आत्मसंतोष से सुख मिलता है। राम का नाम सत्य, शिव का नाम करुणा व कृष्ण का नाम आनंद है। आनंद के बिना इस संसार में कुछ भी नहीं। भगवान स्वयं भागवत कथा को प्रणाम करते हैं। भागवत कथा का सार है दसवां स्कंध।

विभिन्न भजनों व स्तुतियों के बीच कथा वाचक वेदानंदजी शास्त्री ने कहा कि इस संसार में तीन दुर्लभ वस्तुएं है और वे हैं मानव जीवन मिलता, भागवत कथा का श्रवण व मोक्ष की प्राप्ति। शास्त्री ने कहा कि इस संसार में मात्र 6 प्रश्न है जिसमें पूरी भागवत समा जाती है। पहला प्रश्न है जीव के कल्याण का रास्ता क्या है ? तो उत्तर है कि भगवान के चरण में प्रेम हो तो जीव का कल्याण संभव है। दूसरा प्रश्न संसार का सार क्या है ? तो उत्तर है कि संसार का सार साक्षात नारायण हैं। तीसरा प्रश्न है कि भगवान के अवतार के क्या प्रायोजन है? उसका उत्तर है कि जब जब धर्म की हानि होती है तब तब प्रभु अवतार लेते हैं। चौथा प्रश्न है कि भगवान ने कितने अवतार लिए ? तो कथा वाचक ने बताया कि भगवान ने वैसे तो असंख्य अवतार लिए परन्तु 24 अवतार का उल्लेख है। पांचवा प्रश्न है कि भगवान श्री कृष्ण की लीला का कितना समय था उसका उत्तर था कि प्रभु कृष्ण ने 125 वर्ष कृष्ण ने लीला की तथा जग का कल्याण किया। आखिरी प्रश्न है कि भगवान के बाद धर्म व भक्ति कहां गई? उस का उत्तर है कि भगवान के बाद धर्म भागवत में तथा भक्ति प्रभु मिलन भागवत में चली गई। शास्त्रीजी ने कहा कि भागवत से भक्ति, भक्ति से प्रभु मिलन आती है। श्रद्धा के बिना धर्म नहीं होता और प्रभु के बिना मुक्ति संभव नहीं है।

कथा से पहले कथा वाचक श्री वेदानंदजी शास्त्री ने भागवत पोथी की पूजा की तथा उसके बाद आयोजक में निशु कमल, दीपककुमार, आशुतोष कुमार व सुनील यादव सहित अभिषेक ब्रह्मर्षि, उदयकुमार, संजयसिंह, अमितकुमार, पंडित राजगुरु आदि ने कथावाचक को माल्यार्पण किया तथा व्यासपीठ की पूजा की। कथा के पहले दिन कलश व पोथी यात्रा निकाली गई। कथा श्रवण में बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजकों ने सभी भगवतप्रेमियों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

जीतो साउथ विंग ने पर्यावरण संरक्षण के लिए बनाए एक हजार बीज बम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन जीतो लेडीज़ साउथ विंग ने पहली बार पर्यावरण जागरुकता के लिए सीडबॉल बनाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। चेयरपर्सन सुनीता गाँधी के स्वागत करते हुए पर्यावरण को बचाने और अधिक पेड़ लगाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर जीतो लेडीज विंग अपेक्स मेंटर ललिता गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष मधु दोशी, प्रमिला भण्डारी और जीतो लेडीज विंग साउथ की अनेक कार्य समिति सदस्याएं उपस्थित थीं। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी।

ग्रीन वारियर रवि दर्शन और उनकी टीम ने सीडबॉल तैयार करने के तरीके बताते हुए पौधों की जानकारी दी। रोटरी के विजय सिसोदिया ने कहा कि सीडबॉल जिसे बीज बम के रूप में भी जाना जाता है, मिट्टी या बीज के साथ मिश्रित किसी समान सामग्री से बनी एक छोटी गेंद होती है। सीडबॉल की अवधारणा का उपयोग पुनर्वनीकरण, पारिस्थितिक बहाली और शहरी हरियाली के लिए एक तकनीक के रूप में किया गया है। इन सीडबॉल को खुले में फेंक दिया जाता है जहां बारिश और सूरज की रोशनी पड़ती हो ताकि बीज के गोले पौधे के रूप में अंकुरित होने लगें। जीतो लेडीज विंग की सदस्याओं ने 1000 सीडबॉल बनाए।

सभी ने संकल्प लिया कि पर्यावरणीय समस्याओं का भी सामना करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 10 पेड़ लगाने चाहिए ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके। प्रभा गुलेच्छा ने भोजन की व्यवस्था संभाली। कोषाध्यक्ष भारती तलेसरा ने धन्यवाद दिया। संयोजिका नंदा मेहता एवं सह संयोजिका पुष्पा गुलेच्छा ने अपनी टीम ने साथ मिलकर सहजता से कार्य किया।

तेयुप की बारह व्रत स्वीकरण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलुरु द्वारा मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में बारह व्रत स्वीकरण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। मुनिश्री ने अनगार धर्म एवं अगार धर्म की व्याख्या करते हुए व्रत के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि बारह व्रत धारण करने वाला श्रावक निकाचित कर्मों का बंध करने से बच सकता है एवं 12 व्रतों की उत्कृष्ट आराधना करने से श्रावक एकाभवतारी भी बन सकता है। मुनिश्री हेमंतकुमारजी ने कहा कि यह बारह व्रत कार्यशाला लगभग अगले 12 दिनों तक चलेगी। अध्यक्षरजत बैद एवं उपाध्यक्ष विवेक मरोठी ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। संयोजक रमेश सालेचा, सहमंत्रीसंदीप चौपड़ा, मनोज पोकरणा सहित परिषद के अनेक सदस्य कार्यशाला में शामिल हुए।

सुकृत कार्यों को हमेशा गुप्त रखना चाहिए : आचार्य अभयशेखरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के संभवनाथ जैन मंदिर वीवी पुरम में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरविजयजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि सुकृत कार्यों को हमेशा गुप्त रखना चाहिए । यद्यपि सुकृत बताओ तो समझ कर बतायें कि सामने वाला हमारे उल्लास भाव को ख़तम न कर दे। आचार्यश्री ने शालिभद्र का जीव संगम और मम्मण सेठ के दान का दृष्टांत देते हुए बताया कि संगम ने महात्मा को बहुत हर्षोल्लास के साथ खीर और मम्मण सेठ ने भी उत्साह के साथ सिंह केसरिया लड्डु दिए। संगम ने माँ से दान की बात गुप्त रखी और रात को पीड़ा होने पर भी मात्र सुपात्र दान की अनुमोदना करता रहा। लेकिन मम्मण सेठ ने दान की बात पडोसी को बताई और भाव बिगड़ गए।

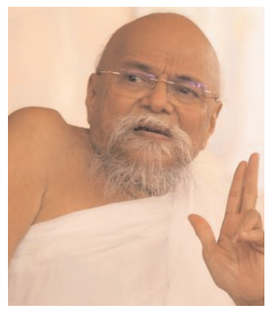

अनुमोदना की जगह पश्चात्ताप ने ले ली। सुपात्र दान की अनुमोदना करने से शालिभद्र को 99 पेटी उतरती थी और मम्मण सेठ के जीव को सोने के बैल तो मिले लेकिन पश्चात्ताप के भाव के कारण मात्र संग्रह करने की दुर्बुद्धि मिली। शालिभद्र के जीव ने दान की प्रशंसा कर दान के लाभ का गुणाकार किया।

कर्मों के काले बादल हमारे सम्यक ज्ञान व दर्शन को ढक सकते हैं : साध्वी प्रतिभाश्रीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सम्यकदृष्टि जीव गृहस्थ अवस्था में रहते हुए भी निर्लिप्त रहता है। उसे संसार से कोई लेना देना नहीं रहता है। जिस प्रकार सूर्य चमकता है और उसके ऊपर अगर बादल आ जाए तो सूर्य ढक जाता है उसी प्रकार कर्मों के आवरण के कारण हमारा सम्यग ज्ञान और सम्यग दर्शन ढका हुआ है और हम संसार में परिभ्रमण कर रहे हैं। भरत चक्रवर्ती गृहस्थ अवस्था में रहते हुए भी निर्लिप्त से थे। हम कर्मों के कारण अनादिकाल से संसार में परिभ्रमण

कर रहे हैं। हमें यह चिंतन करना चाहिए हम कौन हैं कहां से आए हैं कहां जाना है अगर हम सम्यक दृष्टि जीवात्मा है तो थोड़े कर्मों के बाद हमारा मोक्ष जाना निश्चित है। हमारे जीवन में बहुत सारा समय सुखमय रहता है। लेकिन सुख के समय हम परमात्मा की तरफ देखना छोड़ देते हैं, इसलिए दुख के समय हम दुखी हो जाते हैं।

इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि जैसे पर्वतों में सबसे श्रेष्ठ सुमेरु पर्वत है। वह शोभायमान है। अगर सुमेरु पर्वत पर आंधी या तूफान भी आ जाए तो सुमेरु पर्वत का कुछ नहीं हो सकता। उसी प्रकार भगवान महावीर के जीवन में अनेक दुख संकट आए लेकिन वह दुख और संकटों में भी अडिग रहे। भगवान महावीर गुणों के भंडार थे। हमें उनका गुणगान करते हुए उनके गुणों को अपने जीवन में अपनाने की कोशिश करनी चाहिए। साध्वीश्री ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। प्रभाबाई खाबिया ने आज चोदह उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। साध्वीश्री चरित्रप्रभाजी की जयंती के उपलक्ष में शुक्रवार को संवर दिवस, शनिवार को जाप दिवस तथा रविवार को गुणगान दिवस का आयोजन किया है। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

'पियास' में निशुल्क 'लॉफिंग एंड शेयरिंग' कार्यक्रम कल सुबह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के चामराजपेट स्थित प्रजना इंस्टिट्यूट ऑफ योग एण्ड एलाइड साइन्स 'पियास' के तत्वावधान में रविवार को सुबह 8.45 बजे से प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी देने के लिए में 'लाफिंग एंड शेयरिंग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को जानकारी देंगे। आयोजकों ने बताया कि जिस तरह पंच तत्व से ये संसार बना है, उसी प्रकार ईश्वर ने मनुष्य की रचना भी पंच तत्वों से की है। तन की किसी भी व्याधि का कारण इन तत्त्वों की अधिकता या न्यूनता हो सकती है। अतः उन व्याधियों को इन्हीं तत्त्वों से ही पुनः ठीक किया जा सकता है। इस विशेष व प्राकृतिक चिकित्सा के रहस्य व जानकारी के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जो कि बिल्कुल निशुल्क है। इस प्रकार की विशेष जानकारियाँ प्रति माह के अंतिम रविवार को दी जाती है।

एफकेसीसीआई के रमेशचन्द्र लाहोटी बने नए अध्यक्ष

उत्तरभारतीय समुदाय से होंगे दूसरे अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक भर के विभिन्न व्यापार, इंडस्ट्री, ई-कामर्स व अन्य व्यवसायिक संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्टी(एफकेसीसीआई) का शुक्रवार को शहर के केजी रोड स्थित कार्यालय में नए अध्यक्ष का चुनाव हुआ जिसमें वर्ष 2023-24 के लिए अध्यक्ष पद पर रमेशचन्द्र लाहोटी को निर्वाचित किया गया। आगामी 30 सितंबर को वार्षिक साधारण सभा एवं कार्यसमिति सदस्यों की चुनाव प्रक्रिया होने के बाद उसी दिन सायंकाल समारोह में पदभार ग्रहण किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि गत 106 वर्ष से व्यापारियों के लिए हित के लिए कार्य करती आ रही इस एफकेसीसीआई संस्था के अध्यक्ष पद पर आसीन होने वाले लाहोटी शहर की विभिन्न व्यवसायिक व सामाजिक संस्थाओं ने सक्रिय रुप से जुड़े हुए हैं। उत्तरभारतीय समुदाय की ओर से एफकेसीसीआई के अध्यक्ष पद पर आसीन होने वाले वे दूसरे अध्यक्ष होंगे। उनसे पहले आरसी पुरोहित अध्यक्ष पद पर रह चुके हैं। रमेशचन्द्र लाहोटी शहर के माहेश्वरी समुदाय से हैं जो कि विशेषकर एक व्यवसायिक समाज है। लाहोटी के चयन से उत्तरभारतीय समुदाय विशेषकर माहेश्वरी समाज में खुशी का माहौल है।

निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर में लाभान्वित हुए 195 लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीरामपुरम के सहयोग से दाबसपेट स्थित ग्रीनशेफ एप्लान्यन्स कम्पनी में अधिकारी व कर्मचारियों के लिए दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसमें 195 सदस्यों का दंत परामर्श किया तथा 43 सदस्यों के दांतों की सफाई, फिलिंग एवं विभिन्न चिकित्सा की गई। शिविर आयोजन में सुखलाल विकास पितलिया परिवार का सहयोग रहा। शिविर में तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना, जयंतीलाल गांधी, सुनील मेहता एवं राजेश देरासरिया आदि का सहयोग मिला

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com